Media Appreciations
of
Professional Contributions

Towards

Community Ophthalmology, Eye Banking, High Altitude Research, Glaucoma Drainage devices ,Phacoemulsification Surgery , Innovation in Colour Vision Detection Test & Medical Education & Research

In respect of

Major General JKS Parihar, SM, VSM(Retd)**
MS, DOMS, DNB, FAMS

Former ,Addl DGAFMS (MR, H & Trg) & Professor of Ophthalmology
(Additional Director General Armed Forces Medical Services)
(Medical Research, training / Education & Health)
O/o DGAFMS , NEW DELHI (INDIA) PIN 110001

Media Appreciations
of
Professional Contributions

Index

Sr No.	Highlights of Activities	Page No
1	Commitment to Nation building (Presided over Sangh Shourya Function on 21 Apr 2019 at Pushp Vihar ,New Delhi)	3
2	Guest editor on J&K & Terrorism Daily Jagran on 25 Feb 2019	4
3	1. Modern Cataract Surgery by Phacoemulsification Technique at High Altitude (Eastern Ladakh). & World record by Limca Book of World record 2013	5
4	Guest of Honour at Sri Aurobindo College ,New Delhi	11
2	National Awards: (Professional Excellence/Prevention and control of blindness / Community Ophthalmic Services) VII Dr.M.C.Nahta Netra Suraksha Puraskar 2011.	12
3	Glaucoma awareness activities: (Prevention against irreversible blindness due to Glaucoma)	17
4	Eye Camps in North Eastern India by Modern Cataract Surgery technique of Phacoemulsification surgery :	18
5	Eye Banking & Eye Donation activities (Combat against corneal blindness) (i).Eye Donation activities on Tele Media (ii).Bhuj Earth Quake Victims Donates Eye : Feb 2001 (iii). Eye donation campaign in Western Maharashtra	19
6	Modern Phacoemulsification cataract surgery Eye Camps in Western Maharashtra	29
7	Appreciation of Modern Cataract surgery in West Bengal and north east	38
8	Ocular trauma update & live surgery workshop, AFMC Pune 2001	41
9	Awards/Medals: National Awards by the President of India (i).Sena Medal (Distinguished) 2003 by the President of India	44
10	Contributions in Medical Education	45

Maj Gen JKS Parihar,SM,VSM**(Retd) Presided over Sangh Shourya Function on 21 Apr 2019 at Dist Ambedkar ,Delhi Prant

Maj Gen JKS Parihar (Retd) has been invited by Rashtriya Swayam Seva sangh, Abedkar Jila ,Delhi Prant on 21 apr 2019 to preside over the “Sangh Shourya”function.The function was organised at Radha Krishna Vidhya Niketan ,pushp vihar ,Sector 4,New Delhi. Shri Nijmruta Chaitanya Swami ji ,incharge “Mata Amritamayee Math” was the guest of honour. Shri Roshanlalji ,Sah Prant Karyavah , Rashtriya Swayam Sevak sangh,Delhi has addressed the gathering comprises of swayam Sevak and local populaton and highlighted the activities of sangh.

Maj Gen JKS Parihar has stressed on the need of the hour of nation building ,integartion and harmony to set a goal to ensure india as the most powerful and best country in the world.He has also appealed youth to learn from the ethos of indian culture ,commitment towards nation with utmost dediaction and devotion.

Article written by Maj Gen JKS Parihar ,SM,VSM (Retd)**
(Former ADDL DGAFMS)
(Daily Jagran (Hindi)Dated 25 Feb 2019 ,Page number 8)

दैनिक जागरण
www.jagran.com

आतंक पर अंकुश का स्थायी उपाय

जेकेएस परिहार

कश्मीर में आतंकवाद तभी समाप्त होगा जब आतंकी गतिविधियों को पाकिस्तान से पोषित होने के सभी रास्ते बंद कर दिए जाएं

पुलवामा आतंकी हमले के बाद देश में राष्ट्रभक्ति की भावना चरम पर है। लोग 'अभी नहीं तो कभी नहीं' की तर्ज पर पाकिस्तान से जवानों की शहादत का बदला लेने के लिए बेसब्र हैं। कश्मीर समस्या के दीर्घकालिक समाधान और पाकिस्तान को सही सबक सिखाने का यह उपयुक्त समय है। दरअसल कश्मीर में आतंकवाद तथा पाकिस्तान प्रायोजित घुसपैठ एवं हमले स्वतंत्रता के समय से ही शुरू हो गए थे। कश्मीर के तत्कालीन शासक राजा हरि सिंह के ढुलमुल रवैये तथा दो देशों के बीच एक बफर राष्ट्र के रूप में रहने की उनकी ललक ने इसे और हवा दी। वहीं कश्मीर में कबायलियों के वेश में पाक अस्थिरता को बढ़ावा देता रहा। 22 अक्टूबर, 1947 को पाक सेना ने हमला बोल श्रीनगर के बाहरी इलाके तक कब्जा कर लिया। ऐसे में हरि सिंह ने भारत से सैन्य हस्तक्षेप की मांग की। भारत ने राज्य के पूर्ण विलय के बाद ही सैन्य हस्तक्षेप की शर्त रखी। महाराजा ने कश्मीर पर पाकिस्तान के संभावित कब्जे को भांपते हुए 26 अक्टूबर, 1947 को जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय संधि पर हस्ताक्षर कर दिए।

इसके बाद भारतीय सेना ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कश्मीर घाटी के तीन चौथाई भाग और लद्दाख के कुछ हिस्सों से घुसपैठ करने वाली पाकिस्तानी सेना को खदेड़ दिया। हालांकि विषम भौगोलिक परिस्थितियों और दूरदराज के हिमाच्छादित क्षेत्रों, समयाभाव तथा संयुक्त राष्ट्र संघ के हस्तक्षेप से हुए युद्धविराम की वजह से जम्मू, कश्मीर घाटी और गिलगित बाल्टिस्तान का भू-भाग पाकिस्तान के कब्जे में ही रह गया। संयुक्त राष्ट्र के 1948-49 के प्रस्ताव के अनुसार कश्मीर समस्या के पूर्ण समाधान के लिए जनमत संग्रह कराने तथा उसके पूर्व पाकिस्तान को पूरे कश्मीर से अपनी सेना तथा प्रशासन हटाने और भारत को जनमत संग्रह होने तक कश्मीर में अपनी यथास्थिति तथा सेना बनाए रखने की अनुमति दी। हालांकि पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र की इस प्रतिबद्धता का पालन नहीं किया। 1965 के भारत-पाक युद्ध के पश्चात हुए ताशकंद समझौते और 1971 के युद्ध के बाद 2 जुलाई, 1972 को हुए शिमला समझौते में भारत और पाकिस्तान द्वारा द्विपक्षीय चर्चा के द्वारा कश्मीर समस्या का हल निकालने का उल्लेख है, परंतु पाकिस्तान ने इसका भी कभी पालन नहीं किया। जिसका परिणाम 1999 में करगिल में घुसपैठ और तीन युद्धों में भारी पराजय से बौखलाया पाकिस्तान कश्मीर में लगातार आतंकवाद का विष फैला रहा है।

वास्तव में हमेशा बर्फ से ढंके हुए लद्दाख के उत्तरी-पूर्वी इलाके तथा पीरपंजाल के ऊंचे पहाड़ और घने जंगल आतंकवाद की समस्या से निपटने में भौगोलिक अड़चन हैं। साथ ही सीमा के दोनों ओर नागरिकों की वेशभूषा और भाषा में समानता भी आतंकवादियों को छिपने में बहुत मददगार और सैन्यबलों के लिए एक कठिन चुनौती है। इसकी आड़ में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद एवं सीमा पर घुसपैठ और छिटपुट छद्म युद्ध में 1989 से लगातार बढ़ोतरी हुई है। सोवियत संघ-अफगानिस्तान युद्ध के बाद पाकिस्तानी सेना, खुफिया एजेंसी आइएसआइ, तालिबान, अलकायदा और अन्य आतंकवादी संगठनों के गठजोड़ ने कश्मीर में आतंकवाद को काफी बढ़ावा दिया है। इन्हें पाक पोषित आतंकी संगठनों का भी भरपूर साथ मिला है। 1999 का करगिल युद्ध, एयर इंडिया के विमान अपहरण की घटनाएं उस वक्त आतंकवाद की चरम अवस्था थीं। 2008 तक आतंकवाद में कुछ कमी अवश्य हुई थी, किंतु पिछले पांच वर्षों में घाटी में आतंकवाद फिर से अजगर के समान फैल चुका है। 1989 से अब तक दो लाख से भी अधिक कश्मीरी पंडित घाटी से विस्थापित हो चुके हैं। अपने ही देश में विस्थापितों की जिंदगी जीना कश्मीरी पंडितों के लिए एक भीषण त्रासदी की दुखद गाथा है।

आज कश्मीर समस्या के प्रति तात्कालिक और दीर्घकालीन, दोनों ही स्तरों पर सतत और गंभीर प्रयास आवश्यक हैं। इसके लिए पाकिस्तान पर किसी भी प्रकार का विश्वास पूर्णरूपेण निरर्थक है। सबसे पहले पाकिस्तान से सभी प्रकार के संबंध खत्म कर उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग किया जाए। हालांकि चीन उसके साथ हमेशा खड़ा रहेगा। लिहाजा भारत को ईरान, अफगानिस्तान, रूस, अमेरिका और फ्रांस को साथ लेकर सख्त कार्रवाई की जरूरत है। गुलाम कश्मीर और गिलगित बाल्टिस्तान को सक्रिय और पूर्ण सैन्य कार्रवाई से मुक्त कराना भी जरूरी है। साथ ही पाकिस्तान को सामरिक और राजनीतिक दोनों ही रूप से कमजोर करने के लिए हमें बलूच आंदोलन को नैतिक, आर्थिक और सामरिक सहयोग देना चाहिए।

इसके अलावा जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पाक अधिकृत कश्मीर के लिए रिक्त 24 विधानसभा सीटों और लोकसभा की एक सीट के लिए जम्मू-कश्मीर संविधान के अनुच्छेद 48 में संशोधन के द्वारा समीपस्थ इलाकों की सीटों पर एक से अधिक प्रतिनिधि चुनने का अधिकार दिया जा सकता है। इस संबंध में अनुच्छेद 370 को पूर्ण रूप से हटाने का कोई औचित्य नहीं है। इस तरह की कार्रवाई से पाकिस्तान को कश्मीर और बाहर भारत विरोधी भावनाओं को उकसाने का बिना वजह मौका मिलेगा। एक तरह से पिछले 70 वर्षों में अनुच्छेद 370 में कई संशोधनों द्वारा जम्मू-कश्मीर के संविधान को भारतीय संविधान के अनुरूप ढाला जा चुका है। हालांकि अन्य भारतीय नागरिकों को कश्मीर में बसने और उद्योग लगाने की अनुमति अवश्य ही दी जानी चाहिए। कश्मीर के झंडे और संविधान को बनाए रखने से कोई फर्क नहीं पड़ता है।

कश्मीर में आंतरिक आतंकवाद तभी समाप्त हो सकता है जब आतंकी गतिविधियों को पाकिस्तान से पोषित होने के सभी रास्ते बंद कर दिए जाएं। कश्मीरी जनमानस में भारत के प्रति राष्ट्रभाव तथा आपसी समझ और सद्भाव को बढ़ाने के लिए सभी स्तरों पर अथक प्रयास अत्यंत महत्वपूर्ण और आवश्यक हैं। हर कश्मीरी आतंकवादी नहीं है, यह शासन और हर भारतवासी को अच्छी तरह से समझना चाहिए। कश्मीर घाटी में आतंकवादियों की धरपकड़ में अत्यंत सतर्कता और सूझबूझ की जरूरत है। वहां सशस्त्र पुलिस बलों की संख्या को उपयुक्त स्तर तक सीमित रखने की बहुत आवश्यकता है। सशस्त्र पुलिस बल सामान्य अवस्था में शांति और कानून व्यवस्था को संभालने के लिए उपयुक्त हैं, परंतु छद्म युद्ध और आतंकवादी गतिविधियों से निपटने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण, कठोर मनोबल एवं तर्कसंगत संचालन के लिए सेना ही सार्थक एवं सर्वथा उपयुक्त है। कुल मिलाकर आज कश्मीर को उद्योग, रोजगार के अधिक अवसर, यातायात के साधन तथा उच्च शिक्षा एवं आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की अत्यंत आवश्यकता है।

(लेखक भारतीय सेना में मेजर जनरल रहे हैं)

response@jagran.com

Modern Cataract Surgery by Phacoemulsification Technique at High Altitude (Eastern Ladakh)

Maj Gen(Then)Brig JKS Parihar has organized Eye camps and Community Ophthalmic Services in Eastern Ladakh areas of J&K at high altitude in 2011-12 and performed Phacoemulsification with foldable IOL implantation at 14106 feet height probably maiden event ever and anywhere in the world in the history of Ophthalmic surgery. These activities have been widely acknowledged and acclaimed all over by National/International print and Electronic Media. The Limca Book of Records 2013 has acknowledge and endorsed this event as World Record of Phacoemulsification surgery at Highest altitude of 14106 feet .Scientific details of camp module was presented during 74th Annual conference of All India Ophthalmological Conference at Kolkata , 25 Feb 2016 (Phacoemulsification surgery eye camps at high altitude) where as technical aspects of Phacoemulsification Surgery at High Altitude has been published in a highly prestigious International Ophthalmic Journal EJO as "Phacoemulsification at high-altitude Himalayan region: comparison". **European Journal of Ophthalmology** (Eur J Ophthalmol) 2016; 26(2): 107 – 113.DOI:10.5301/ejo.5000668 (PMID:26391162) **Impact Factor :** 1.068.

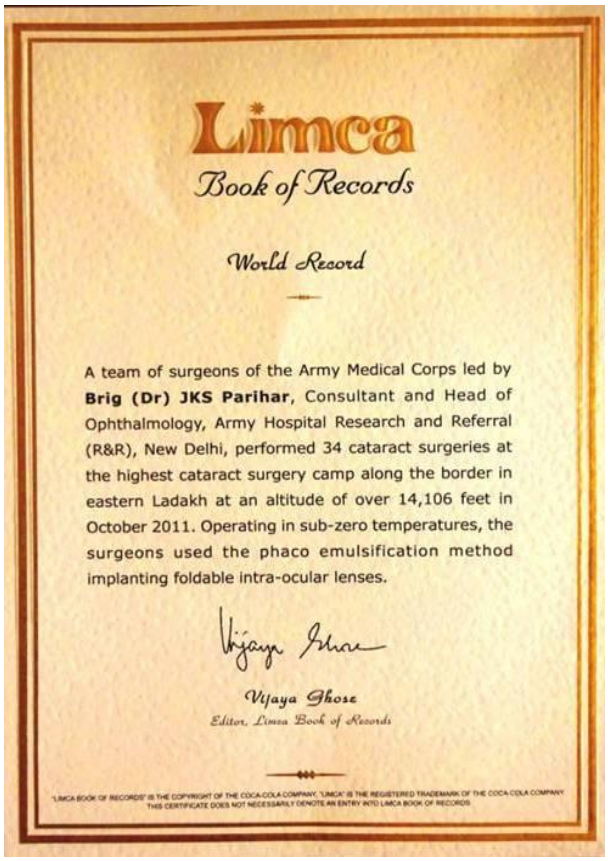

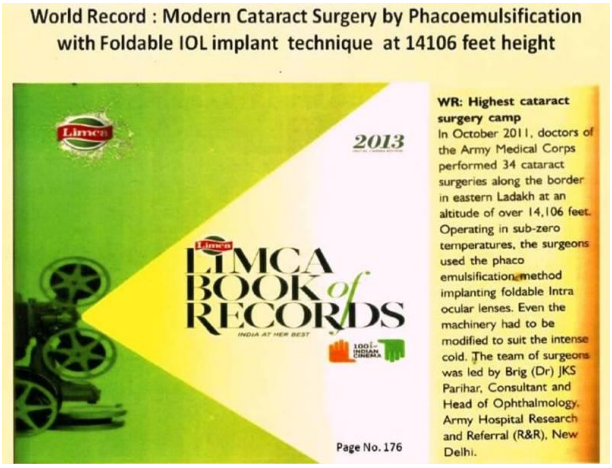

EJO
ISSN 1120-6721

Eur J Ophthalmol 2016; 26 (2): 107-113
DOI: 10.5301/ejo.5000668
ORIGINAL ARTICLE

Phacoemulsification at high-altitude Himalayan region: comparison

Jitendra Kumar Singh Parihar[1], Piyush Chaturvedi[1], Jaya Kaushik[2], Vaibhav Kumar Jain[3], Shantanu Mukherjee[1], Sanjay Kumar Mishra[1]

[1] Department of Ophthalmology, Army Hospital Research and Referral, Delhi Cantt - India
[2] Department of Ophthalmology, Post Graduate Institute of Medical Education & Research (P.G.I.M.E.R.), Chandigarh - India
[3] Department of Ophthalmology, Uttar Pradesh Rural Institute of Medical Sciences (U.P.R.I.M.S. & R.), Saifai, Etawah - India

ABSTRACT

Purpose: To compare phacoemulsification parameters at different high-altitude regions as well as between peristaltic and Venturi-based machines.
Methods: In this prospective, nonrandomized clinical study, 160 eyes of 160 patients with senile cataract underwent phacoemulsification using either peristaltic or Venturi system at a high-altitude Himalayan region (>10,000 feet). Patients (n = 200, including 100 each with either peristaltic or Venturi system) operated at mean altitude of 1115 feet (Delhi) were included as controls (group 1). At Leh (11,203 feet), 110 patients were operated with peristaltic (62) or Venturi (48) system (group 2), whereas 50 patients (group 3) (peristaltic = 37; Venturi = 13) were operated either with peristaltic (37) or Venturi (13) system at Tangtse (14,106 feet). Intraoperative parameters–i.e., bottle height (BH), vacuum (V), and flow rate (FR)–were compared for different phacoemulsification steps–i.e., central chopping (CC), segment removal (SR), epinucleus removal (ER), and cortex removal (CR)–between all groups and between peristaltic and Venturi pump-based machines in each group.
Results: Mean BH, V, and FR for CC, SR, ER, and CR significantly increased with the increment in altitude of surgery (p = 0.000). Venturi and peristaltic-based phacoemulsification showed higher values of the mean BH and V, respectively, for CC, SR, ER, and CR at Leh as well as Tangtse.
Conclusions: At the high-altitude region, the higher setting of BH, FR, and V is required in phacoemulsification.

Keywords: High altitude, Himalayan, Peristalsis, Phacoemulsification, Venturi

Introduction

The total land area of the earth is about 148,300,000 km^2, or about 30% of the total surface area (1). The global mountain area is almost 40 million km^2, or 27% of the earth's surface. Twenty percent of the world's population–about 1.2 billion people–live in mountains. Most technological advances emerge from urban and industrialized areas, as these advances need technological input, economic support, and an industrial environment. Bassett et al (2), in a population-based survey, reported poor cataract surgical outcome despite high cataract surgical coverage in Tibet, an autonomous region of China and a high-altitude geographic region. Recently, in a population-based survey, Wang et al (3) reported high prevalence of blindness and low vision in the high-altitude Tibetan population, which has become a serious public health problem.

With the introduction of phacoemulsification by Charles Kelman (4) in 1967, ophthalmic cataract surgery took a leap into a new era of technology-guided, software-based surgical procedures, with an aim to achieve a near ideal approach of treating the most common cause of blindness in the world. These machines have been tuned, titrated, and tried at normal prevailing atmospheric conditions. Hence, their performance may be different at atmospheric pressures other than sea level.

Earlier studies compared peristaltic and Venturi pump-based phacoemulsification for the various phacoemulsification parameters such as mean surgical time, postocclusion surge, and anterior chamber stability (5-7). The Venturi pump-based phacoemulsification machine has been shown to be associated with significantly less surgical time (5, 6). We compared both pump systems at different altitudes in terms of bottle height and vacuum settings required for effective phacoemulsification.

The present study was carried out to restandardize the existing standard parameters for phacoemulsification at high-altitude regions. It introduces the concept of advancing the

Accepted: July 31, 2015
Published online: September 16, 2015

Corresponding author:
Prof. (Brig.) Jitendra Kumar Singh Parihar
Professor of Ophthalmology
Department of Ophthalmology
Army Hospital Research and Referral
Delhi Cantt. 110010, India
jksparihar@gmail.com

© 2015 Wichtig Publishing

Scientific article published in European Journal of Ophthalmology (Eur J Ophthalmol)2016;26(2):107113.DOI:10.5301/ejo.5000668 (PMID:26391162) International journal of very high reputation with Impact Factor: 1.068.

પાનાં:૧૬ કિંમત: રૂ.૩.૦૦ ** તા.૩૧ ઓક્ટોબર ૨૦૧૧ સોમવાર અમદાવાદ, વડોદરા, સુરત, રાજકોટ, ભુજ, અને મુંબઈથી પ્રગટ થતું દૈનિક*

ગુજરાત સમાચાર

નેત્રચિકિત્સાના ઈતિહાસમાં પહેલો બનાવ

૧૪,૦૦૦ ફૂટની ઊંચાઈએ મોતિયાના ઓપરેશન : લશ્કરી તબીબોની સિદ્ધિ

[illegible]

ઊંચાઈ પર પાતળી હવા અને ઓછા તાપમાન વચ્ચે ભારતીય લશ્કરના તબીબોની નોંધનીય સફળતા

[illegible]

The Gujrat Samachar
(Daily News Paper in Gujrati)
Ahmedabad, 31 Oct 2011
World Record of Phacoemulsification Surgery at the height of 14106 feet by Brig JKS Parihar, SM,VSM

The Tribune
VOICE OF THE PEOPLE
New Delhi . Chandigarh . Jalandhar . Bathinda . Friday, July 20, 2012 www.tribuneindia.com

Army doctors hold eye camp at Leh

TRIBUNE NEWS SERVICE

NEW DELHI, JULY 19

Braving the biting cold, a team of eye specialists from Army Hospital (Research and Referral) based in Delhi and Leh, led by Brig JKS Parihar, held its second mega eye camp at the altitude of 14106 ft at Tangtse and Leh.

Organised under the guidance of Director General Armed Forces Medical Services, the camp is a part of Armed Forces Research and coincided with the Golden Jubilee celebration of Trishal Division.

During the two phases of this camp earlier, 4,000 persons, both civilians and ex-servicemen, were screened. As many as 135 persons have already been operated upon by the latest technique of Phacoemulsification, which involves extraction of cataract by emulsifying the lens ultrasonically.

The civilians are learnt to have expressed their gratitude to the Indian Army which has been carrying out several activities under its operation "Sadhbhavna".

सोमवार, 31 अक्टूबर 2011 | नईदुनिया 09
www.naidunia.com | www.webdunia.com
राष्ट्रीय राजधानी संस्करण, कार्तिक शुक्ल एक पंचमी, संवत 2068 शके 1933 दिल्ली,
दिल्ली-एनसीआर, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, रायपुर, बिलासपुर और भोपाल (नवदुनिया) से प्रकाशित ■ वर्ष 4 | अंक 24 |

14 हजार फुट की ऊंचाई पर हुआ ऑपरेशन

नई दिल्ली (प्रेट)। थल सेना के चिकित्सकों ने नई उपलब्धि हासिल करते हुए भारत-चीन सीमा के निकट पूर्वी लद्दाख में 14 हजार फुट की ऊंचाई पर मोतियाबिंद की 34 शल्य क्रियाएं की है। चिकित्सकों का दावा है कि शून्य से नीचे के तापमान में इस तरह की शल्य क्रिया पहले कभी नहीं की गई थी। नई दिल्ली स्थित आर्मी हॉस्पिटल रिसर्च एंड रेफरल में नेत्र रोग विभाग के प्रमुख और सलाहकार चिकित्सक ब्रिगेडियर जेकेएस परिहार ने कहा कि यह एक अनूठी चुनौती थी। हमने पूर्वी लद्दाख में 14,106 फुट की उंचाई पर बिना चीरा लगाए। बिना रक्त बहाए और बिना दर्द के मोतियाबिंद की शल्यक्रिया की।

पुणे ■ सोमवार, ३१ ऑक्टोबर २०११
महाराष्ट्र टाइम्स

१४ हजार फुटांवर झाले मोतिबिंदूचे ऑपरेशन

नवी दिल्ली

लडाखच्या पूर्वेकडे भारत-चीन सीमेजवळ तब्बल १४ हजार फूट उंचीवर लष्कराने आणखी एक यशाचा झेंडा रोवला आहे. लष्करातील डॉक्टरांनी एवढ्या उंचावर मोतीबिंदूची ३४ ऑपरेशन केली आहेत. या उंचीवर आणि तापमानात आजवर अशा प्रकारची ऑपरेशन झाली नसल्याचा दावा डॉक्टरांनी केला आहे.

लष्करी डॉक्टरांचे यश

नवी दिल्लीतील लष्करी हॉस्पिटलचे नेत्रविकारतज्ज्ञ ब्रिगेडियर जे. के. एस. परिहार यांनी शस्त्रक्रियांसाठी डॉक्टरांच्या पथकाचे नेतृत्व केले. या शस्त्रक्रिया विशिष्ट पद्धतीने केल्या गेल्या. 'आम्ही लडाखमध्ये १४ हजार १०६ फुटांवर बिनटाकी, रक्तस्राव न होणारी आणि त्रास न देणारी मोतिबिंदू शस्त्रक्रिया केली,' असे परिहार यांनी म्हटले.

'या शस्त्रक्रिया आम्ही पारंपरिक पद्धतीने केल्या नाहीत, कारण त्या अयशस्वी ठरण्याची शक्यता जास्त होती. शस्त्रक्रियेनंतर संसर्ग होण्याची शक्यता जास्त होती, त्यामुळे आम्ही आमची मशिन्स येथे घेऊन आलो. पण ती मशिन्स तेथील वातावरणाला मिळतीजुळती नव्हती. सुरक्षा, अचूकता आणि लवकर बरे होण्यासाठी आम्ही मशिन्सच्या सेटिंग्जमध्ये बदल केले,' अशी माहिती त्यांनी दिली.

'या शस्त्रक्रिया म्हणजे संशोधनाचाही एक भाग होता. अत्याधुनिक मशिन्स एवढ्या उंचीवर काम करू शकतात काय, याची चाचणीही तेथे घेता आली. आता शस्त्रक्रिया यशस्वी झाल्याने मशिन्सची उपयुक्तताही समजली. ज्या व्यक्ती गेली अनेक वर्षे अंधारात जीवन व्यतीत करीत होत्या, त्यांच्यावर या शस्त्रक्रिया करण्यात आल्या आहेत,' असे ते म्हणाले.

(वृत्तसंस्था)

The Maharashtra Times
Pune ,31 Oct 2011

नवभारत टाइम्स
नई दिल्ली । सोमवार 31 अक्टूबर 2011 । कार्तिक 9 शक 1933 ।
। पेज 14 । मूल्य 3.50 रु. या 6.50 रु. द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित

आर्मी ने 14 हजार फुट पर की आंख की सर्जरी

पीटीआई ॥ नई दिल्ली : भारतीय थलसेना के डॉक्टरों ने भारत-चीन सीमा के पास पूर्वी लद्दाख में 14,000 फुट की ऊंचाई पर मोतियाबिंद के 34 ऑपरेशन किए हैं। डॉक्टरों का दावा है कि जीरो डिग्री से नीचे के टेंपरेचर में इस तरह की सर्जरी पहली बार की गई है। नयी दिल्ली के आर्मी हॉस्पिटल रिसर्च एंड रेफरल में नेत्र रोग विभाग के प्रमुख और सलाहकार डॉक्टर ब्रिगेडियर जे. के. एस परिहार ने कहा, हमारे लिए यह अनूठी चुनौती थी।

Navbharat Times
New Delhi ,31 Oct 2011

वर्षों से राष्ट्र की सेवा में समर्पित

वीर अर्जुन

जिल्द: 28, अंक: 230
पृष्ठ : 12
नई दिल्ली, शुक्रवार
20 जुलाई, 2012
मूल्य : रु. 2.00
प्रभात संस्करण

विविध : भट्ट कैंप में नरगिस

खेल : स्टीव वा का रिकार्ड तोड़ने की दहलीज पर पोंटिंग

तापमान
अधिकतम 37
न्यूनतम 30

शेयर बाजार
बीएसई 17185.01
एनएसई 5160.00

मुद्रा बाजार
डॉलर 55.12
यूरो 67.69

E-mail: dailyvirarjun@gmail.com Website: www.virarjun.com E-Paper : www.epapervirarjun.com

सेना के डाक्टरों ने रिकार्ड कायम किया

वीर अर्जुन संवाददाता

नई दिल्ली। आर्म्ड फोर्सेस मेडिकल सर्विसेज के डायरेक्टर जनरल के दिशा निर्देशन में और ब्रिगेडियर जेकेएस परिहार के नेतृत्व में दिल्ली कैंट के आर्मी अस्पताल (रिसर्च एंड रेफरल) और लेह के नेत्र विशेषज्ञों के दल ने लेह और तंगत्से में 14106 फीट की ऊंचाई पर दूसरा विशाल नेत्र जांच कैंप लगाकर विश्व रिकार्ड बनाने में कामयाबी हासिल की। यह कैंप एक ओर जहां आर्म्ड फोर्सेस रिसर्च का हिस्सा था वहीं दूसरी ओर त्रिशूल डिवीजन के गोल्डन जुबली समारोह का भी एक भाग था। यह कैंप दो चरणों में लगाया गया और इसमें लगभग तीन-चार हजार लोगों के नेत्रों की जांच की गई जिसमें नागरिक और एक्स सर्विसमैन दोनों शामिल थे। पहाड़ों पर जहां थोड़ी-थोड़ी संख्या में लोग बहुत दूर रहते हैं वहां यह संख्या काफी मायने रखती है। यह शिविर देश के नागरिकों के प्रति सेना की सद्भावना को दर्शाता है।

लेह और तंगत्से में 14,106 फीट की ऊंचाई पर सेना के डाक्टरों (आर एंड आर) द्वारा लगाए गए शिविर में डाक्टर व मरीज।

Eye Surgery Camp

Sight at Height

A unique eye surgery camp was recently held at an integral field hospital of the Trishul Division at the forbidding height of 14106 feet. The eye camp focussed at restoring sight by providing a comprehensive surgical technology to the civilian population residing in the far reaches of Eastern Ladakh. The exercise also aimed to quantify the solidarity the Indian Armed Forces shares with its fellow citizens residing in such an environment.

The Armed Forces module conceived as a modus operandi for offering a three-tier eye-care was thoughtfully designed and executed meticulously. The module was a brainchild of Brig JKS Parihar. In this phase of the module, about 15 initial screening camps were organised over a period of two months in very remote villages adjoining Tangtse, Chushul, Dergchok, Fukche and Nyoma of Eastern Ladakh where more than 1200 patients were examined and treated for various common medical ailments as well as screened for eye surgery.

The shortlisted cases for eye surgery were evaluated at various far-flung locations where specialised eye-examination equipment like keratometer and 'A' scan biometry were made available. The entire exercise involving the primary and secondary tier eye-care camps saw an unprecedented level of enthusiasm among the residents and 34 patients volunteered to be operated at the camp. The cutting-edge surgical technology of phacoemulsification was extended to all patients. This was never carried out earlier anywhere in the world at such high altitude. At high altitudes, setting and controlling different parameters is all the more challenging due to the low atmospheric pressure. To tide over the challenges of performing this surgery at such altitudes requires an astute and professionally more than competent surgeon with years of experience backing him.

The eye camp was a result of a concerted effort of the entire formation of the Trishul Division wherein invaluable support was provided to the doctors at various stages. This included numerous small medical camps held in the periphery by the non-medical units in coordination with the 'Trishul Healers', in the most inhospitable terrain and in extremely adverse weather conditions. Organising various medical camps helped identify potential cases for the eye camp. Maj Gen KM Balsara, GOC of the Trishul Division was all praise for the manner in which the entire machinery of the Division helped in conducting the camp.

On the occasion, Lt Gen R Daptone, GOC 14 Corps said that he was sure that the efforts made by the Indian Army would go down in the annals of medical history as a momentous step. The feat of conducting such delicate and complicated surgery at such a high altitude spoke volumes of the skill, commitment and technical expertise of the entire team.

- Lt Col Sanjay Kumar Mishra

A medical screening camp

Keratometer examination at Fukche

A scan biometry eye camp at Fukche

Surgery camp at Tangtse

A view of the camp at Tangtse

Sainik Samachar : Jun 2012 : Sight at Height : Modern Cataract Surgery Camps at 14106 feet height

The AWWA Journal 2011

Reporting

EYE SURGERIES at Ladakh

A challenge of restoring vision by extending the latest and state-of-the-art cataract and anterior segment surgery with implantation of latest intraocular lenses was conceived under the aegis of Corps FWO, AFMRC Delhi, and the medical authorities of Corps HQ at Leh.

The cases for the camp were selected from the remotest areas of Zanskar region, Nubra Valley and places in and around Leh. The surgeries were performed from 20 to 23 Jun 2011, at the General Hospital, Leh, by an expert team led by Brigadier JKS Parihar, SM, VSM, Consultant and Head of the Department of Ophthalmology, Army Hospital (Research & Referral), Delhi Cantt. A total of 22 patients underwent various kinds of eye surgeries and were implanted with new generation intra ocular lenses including multifocal, aspheric and accommodative intraocular lenses, and were also given advanced ocular implants (Ahmed Glaucoma Valve). It was probably the first-of-its-kind endeavour not only in this region but anywhere in the world at such high altitude, and in terms of number within the short span.

Annual Journal of Army Wives Welfare Association 2011: Cataract Surgeries by Modern technique of Phacoemulsification with Foldable IOL implantation at Ladakh in Jun 2011

Eye Camp at Ladakh

Might in Sight

Ladakh, the last frontier of our country in the Western Himalayas, has a very sparse population. The inhabitants are living in inhospitable and inaccessible areas where the issue of health and health care has always found a back seat.

The Indian Armed Forces has taken up the challenge to preserve natural flora, fountains, culture and heritage of this region. The various kinds of welfare activities conducted under the guidance of Mrs Smita Dastane, President FWO, 14 Corps are indeed proved to be a great source of inspiration and encouragement.

Surgery in progress

The team of doctors with patients

Recently a camp was conducted to restore vision by extending the latest cataract and anterior segment surgery and implantation of latest intraocular lenses under the aegis of FWO, 14 Corps, AFMRC Delhi and medical authorities of 14 Corps.

The cases for the camp were selected from the remotest areas of Zanskar region, Nubra Valley and places in and around Leh by Maj Piyush Chaturvedi, an eye specialist of 153 General Hospital. Selected patients were sensitized about their ailments and followed over five months till they were extended the benefits of surgical treatment at the camp.

Mrs Smita Dastane distributing medicines

The surgeries were performed at 153 General Hospital under an expert team led by Brig JKS Parihar, Consultant and Head of the Department of Ophthalmology, Army Hospital (Research & Referral) Delhi Cantonment. A total of 22 patients underwent various kinds of eye surgeries and were implanted with modern and newer generation of intraocular lenses including multifocal, aspheric and accommodative intraocular lenses. They were also given advanced ocular implants (Ahmed Glaucoma Valve). All patients were provided logistic supports by 153 GH for more than seven days. All the cases will be further supervised, monitored and followed at 153 General Hospitals till their complete visual rehabilitation.

input : **Lt Col Sanjay Kumar Mishra**

GG2.net
GARAVI GUJARAT

ARMY DOCTORS PERFORM 34 CATARACT SURGERIES AT 14,000 FEET

Reference from REUTERS

Many of those operated upon had been virtually living in the dark world of blindness for many years

SCALING new heights, doctors of the Indian Army have performed 34 cataract surgeries above 14,000 feet in eastern Ladakh, near the India-China border.

The doctors claimed no such surgeries had been performed earlier at sub-zero temperatures.

"It was a unique challenge and an attempt never made before in the field of ophthalmology. We performed stitchless, bloodless and painless cataract surgery at a height of 14,106 feet in eastern Ladakh," said Brigadier J K S Parihar, Consultant and Head of Ophthalmology, Army Hospital Research and Referral in New Delhi.

He led the team of doctors who conducted the surgeries using the phacoemulsification with implantation of foldable Intra Ocular Lenses technique, where ultrasound power is used to break the cataract into minute pieces, which are then sucked out through a small incision and a foldable lens of the required power is then implanted.

"We did not try the conventional method as chances of failure of surgery are too high. The temperatures there could lead to lot of infection post surgery. That is why we carried our machines and surprisingly machines parameters are not suitable to the environment.

We had to modify settings of the machine which resulted in safe, accurate surgery and early recovery," he said.

"This is also a part of our research work where we are trying to find if surgeries using sophisticated machines can be performed at such heights. Through this surgery we have ensured that it can be performed successfully.

Many of those operated upon had been virtually living in the dark world of blindness for many years," General Ravi Dastane, GOC, 14 Corps, said.

PAKISTAN DEFENCE

HomePakistan Defence ForumCountry WatchIndian Defence Forum

Army doctors perform 34 cataract surgeries at 14,000 ft

Discussion in 'Indian Defence Forum' started by Veeru, Oct 30, 2011.

Army doctors perform 34 cataract surgeries at 14,000 ft

PTI | 10:10 AM, Oct 30, 2011

New Delhi, Oct 30 (PTI) Scaling new heights, doctors of the Indian Army have performed 34 cataract surgeries above 14,000 feet in eastern Ladakh, near the India-China border. T

he doctors claimed no such surgeries had been performed earlier at sub-zero temperatures. "It was a unique challenge and an attempt never made before in the field of ophthalmology. We performed stitchless, bloodless and painless cataract surgery at a height of 14,106 feet in eastern Ladakh," said Brigadier J K S Parihar, Consultant and Head of Ophthalmology, Army Hospital Research and Referral in New Delhi.

He led the team of doctors who conducted the surgeries using the phacoemulsification with implantation of foldable Intra Ocular Lenses technique, where ultrasound power is used to break the cataract into minute pieces, which are then sucked out through a small incision and a foldable lens of the required power is then implanted. "We did not try the conventional method as chances of failure of surgery are too high. The temperatures there could lead to lot of infection post surgery. That is why we carried our machines and surprisingly machines parameters are not suitable to the environment. We had to modify settings of the machine which resulted in safe, accurate surgery and early recovery," he said. "This is also a part of our research work where we are trying to find if surgeries using sophisticated machines can be performed at such heights. Through this surgery we have ensured that it can be performed successfully. Many of those operated upon had been virtually living in the dark world of blindness for many years," General Ravi Dastane, GOC, 14 Corps, said.

Army doctors perform 34 cataract surgeries at 14,000 ft, IBN Live News

(You must log in or sign up to reply here.)

CONTACT: ADS@KOODAL.COM

India woman

The Tribune
ONLINE EDITION

Friday, July 20, 2012, Chandigarh, India

DELHI AND NEIGHBOURHOOD

INDIANS NOT IN INDIA

Army doctors hold eye camp at Leh
Tribune News Service

New Delhi, July 19
Braving the biting cold, a team of eye specialists from Army Hospital (Research and Referral) based in Delhi and Leh, led by Brig JKS Parihar, held its second mega eye camp at the altitude of 14106 ft at Tangtse and Leh.

Organised under the guidance of Director General Armed Forces Medical Services, the camp is a part of Armed Forces Research and coincided with the Golden Jubilee celebration of Trishul Division.

During the two phases of this camp earlier, 4,000 persons, both civilians and ex-servicemen, were screened. As many as 135 persons have already been operated upon by the latest technique of Phacoemulsification, which involves extraction of cataract by emulsifying the lens ultrasonically.

The civilians are learnt to have expressed their gratitude to the Indian Army which has been carrying out several activities under its operation "Sadbhavna".

HOME PAGE

Guest of Honour at Sri Aurobindo College ,New Delhi

Maj Gen JKS Parihar(retd) has been invited as Guest of Honour on during annual function of Sri Aurobindo College ,New Delhi on 6 Mar 2019. He had interacted with young ,dynamic and vibrant students of Sri Aurobindo college ,south Delhi .Opening address by the honble principal Shri Vipin Aggarwal was very impressive and thought provocating . He laid down the futuristic vision and roadmap for the progress of college , role of students in nation building and how to full fill social commitments towards society. Shri Sanjay Kumar Mishra ,chairman college managing committee who himself is a very well renowned and accomplished journalist assured students for all the possible help in their career growth .Maj Gen JKS Parihar had stressed on the crucial role of students in nation building ,unity and harmony among all Indians. He has also emphasised on the preservation of environment ,Indian culture languages and essence of human values. He had appreciated such beautiful and nostalgic environment in the college campus both in the faculties and students as well.

अफसर के अनुसार द्वारका, गोयला डेयरी, पालम विहार, दशरथपुरी, सेक्टर- 7, 8, 9 और 10 में पावर सप्लाई के लिए पहले से दो सबस्टेशन हैं।

फेस्ट में महका डीयू के कॉलेजों का हुनर

विस, नई दिल्ली : दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्री अरबिंदो कॉलेज के सालाना सांस्कृतिक महोत्सव 'महक' में यूनिवर्सिटी के कई कॉलेज शरीक हो रहे हैं। मंगलवार को इस तीन दिन के फेस्ट का उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि आर्मी के मेजर जनरल सेवानिवृत जेके एस परिहार और डीसीपी विजय कुमार पहुंचे। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ विपिन अग्रवाल ने बताया कि फेस्ट में डीयू के कई कॉलेज हिस्सा ले रहे हैं। श्री अरबिंदो कॉलेज के स्टूडेंट्स परफॉर्मेंस दे रहे हैं और बाहर से आए कॉलेज के स्टूडेंट्स सभी कल्चरल प्रतियोगिताओं का हिस्सा बन रहे हैं। नुक्कड़ नाटक में हिंदू कॉलेज ने अपने नाटक 'इब्तिदा' के लिए, शास्त्रीय समूह गान और क्विज में हंसराज कॉलेज ने, कविता में एलएसआर कॉलेज ने पहला पुरस्कार पाया।

डस ने वीसी के

National Awards:

(Professional Excellence/Prevention and control of blindness / Community Ophthalmic Services)

Brig JKS Parihar,SM,VSM, received VII Dr MC Nahata Rashtriya Netra Suraksha Puraskar 2011

About Award:

The National Society for Prevention of Blindness (NSPB), Indore initiated an Award in the year 2005 to identify, recognize and present to the society people working for the great cause of Prevention of Blindness, an area which deserves more attention and work. The Award which carries a cash prize of Rs. 51000/ and a citation , given every year on alternate years to Ophthalmologists and Optometrist ,Low Vision Specialist ,Social Worker ,N.G.Os etc of the field of Prevention of Blindness. The Award is being instituted on the name of Dr MC Nahata, Former Professor & Head, Department of Ophthalmology, MGM Medical College Indore and Dean, GR Medical College Gwalior of international repute. Dr Nahata in true sense is a visionary and his work has been path-breaking in the field of ophthalmology and he is an institution by himself. He has been a pillar of ophthalmic care in India and abroad. He has natured and transformed carriers of several ophthalmologists to brilliant heights. His selfless dedication ,devotion ,extreme passion and enthusiasm for this continuous period of more than five decades remains a source of true inspiration for the entire fraternity of ophthalmologists not only in India but across the world. Aptly the title of this award reflects its true spirit and motto of service to the mankind of exceptional order.

In recognition of this unparalleled and invaluable professional service to the country, Brigadier Jitendra Kumar Singh Parihar was awarded VII Dr MC Nahata Rashtriya Netra Suraksha Puraskar 2011. In a grand ceremony on 05 Nov 2011, this award was conferred upon him by His Excellency Shri NN Vohra, Governor of J&K where as Shri Mahendra Hardia ,The Honourable Minister of State ,Health & Family welfare and Medical Education ,MP presided over the function .

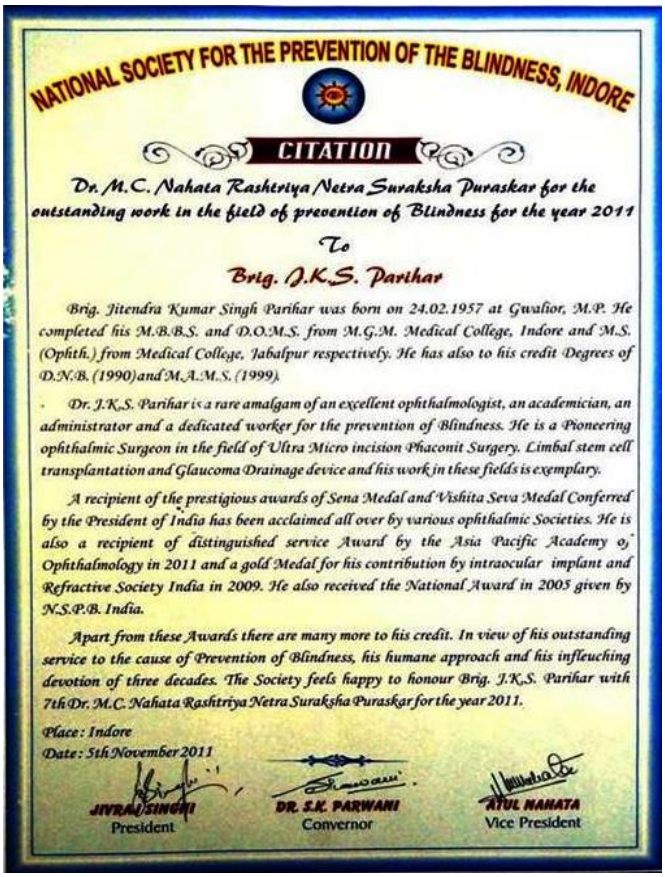

NATIONAL SOCIETY FOR THE PREVENTION OF THE BLINDNESS, INDORE

CITATION

Dr. M.C. Nahata Rashtriya Netra Suraksha Puraskar for the outstanding work in the field of prevention of Blindness for the year 2011

To

Brig. J.K.S. Parihar

Brig. Jitendra Kumar Singh Parihar was born on 24.02.1957 at Gwalior, M.P. He completed his M.B.B.S. and D.O.M.S. from M.G.M. Medical College, Indore and M.S. (Ophth.) from Medical College, Jabalpur respectively. He has also to his credit Degrees of D.N.B. (1990) and M.A.M.S. (1999).

Dr. J.K.S. Parihar is a rare amalgam of an excellent ophthalmologist, an academician, an administrator and a dedicated worker for the prevention of Blindness. He is a Pioneering ophthalmic Surgeon in the field of Ultra Micro incision Phaconit Surgery. Limbal stem cell transplantation and Glaucoma Drainage device and his work in these fields is exemplary.

A recipient of the prestigious awards of Sena Medal and Vishita Seva Medal Conferred by the President of India has been acclaimed all over by various ophthalmic Societies. He is also a recipient of distinguished service Award by the Asia Pacific Academy of Ophthalmology in 2011 and a gold Medal for his contribution by intraocular implant and Refractive Society India in 2009. He also received the National Award in 2005 given by N.S.P.B. India.

Apart from these Awards there are many more to his credit. In view of his outstanding service to the cause of Prevention of Blindness, his humane approach and his infleuching devotion of three decades. The Society feels happy to honour Brig. J.K.S. Parihar with 7th Dr. M.C. Nahata Rashtriya Netra Suraksha Puraskar for the year 2011.

Place : Indore
Date : 5th November 2011

JIVRAJ SINGHI, President
DR. S.K. PARWANI, Convernor
ATUL NAHATA, Vice President

इन्दौर समाचार, इन्दौर

सोमवार 7 नवम्बर 2011

परिवार समाज के बिना कोई व्यक्ति सफल नहीं हो सकता

■ डॉ. एम.सी. नाहटा राष्ट्रीय नेत्र सुरक्षा पुरस्कार समारोह सम्पन्न

■ बिग्रेडियर डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह परिहार ने सम्मान राशि लौटाई

इंदौर। राष्ट्रीय नेत्र सुरक्षा संस्था द्वारा डॉ. एम.सी. नाहटा राष्ट्रीय नेत्र सुरक्षा पुरस्कार समारोह मेडिकल कालेज सभागृह में जम्मू-कश्मीर के महामहिम राज्यपाल एन.एन. वोरा के मुख्य आतिथ्य में एवं स्वास्थ्य राज्यमंत्री महेन्द्र हार्डिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। आर्मी हास्पिटल दिल्ली के प्रो. एवं विभागाध्यक्ष ब्रिगेडियर जितेन्द्र कुमार सिंह परिहार को प्रशस्ति पत्र एवं 51000 की नगद राशि देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल एन.एन. वोरा ने अपने उद्बोधन में कहा कि नेत्रहीनता एवं गरीबी की विकराल समस्या ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में अधिक है। इसकी रोकथाम के लिए चिकित्सकों को गांवों में जाकर कार्य करने की आवश्यकता है। आपने युवा चिकित्सकों से कहा कि वे अपने क्षेत्र में बेहतर कार्य करें। यह पुरस्कार काफी प्रतिष्ठित है इसके लिए डॉ. परिहार को बधाई देता हूं तथा आपने डॉ. नाहटा के नेत्र सुरक्षा एवं दृष्टिहीनता की रोकथाम संबंधी देशव्यापी कार्यों की प्रशंसा की।

महेन्द्र हार्डिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि अंधत्व निवारण के क्षेत्र में केन्द्र शासन तथा राज्य शासन राष्ट्रीय अन्धत्व निवारण कार्यक्रम संचालित कर रही है इसके अधिक विस्तार की आवश्यकता है एवं शासन इस दिशा में प्रयासरत है। डॉ. परिहार ने अपने संबोधन में कहा कि यह पुरस्कार मिलना मेरे लिए आनन्द का विषय है एवं नया दायित्व भी। नेत्र सुरक्षा के क्षेत्र में डॉ. एम.सी. नाहटा हमारे लिए एक ऊर्जा स्त्रोत की तरह है। उन्होंने कहा कि यह अवार्ड मेरे लिए मायने रखता है। मेरे पिताजी के सेवा कार्यों एवं माताजी के आशीर्वाद का ही यह फल है। परिवार व समाज के सहयोग के बिना कोई भी व्यक्ति सफल नहीं हो सकता। एक चिकित्सक के नाते समाज सेवा एवं देश सेवा करने में बहुत संतुष्टि मिलती है, नई पीढ़ी इस अन्धत्व की चुनौती को स्वीकार करें।

डॉ. परिहार ने नेत्र सुरक्षा संस्था को नेत्र सुरक्षा के कार्यों को सम्पादित करने के लिए पुरस्कार में प्राप्त 5100 की राशि डॉ. नाहटा को अपनी ओर से भेंट कर दी। अपने स्वागत उद्बोधन में डॉ. एम.सी. नाहटा ने कहा कि स्वतंत्रता के 64 वर्षों बाद भी प्रादेशिक, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों एवं योजनाओं के बावजूद दृष्टिहीनों की संख्या में कमी नहीं हुई है। मेडिकल कौंसिल ऑफ इण्डिया को आवश्यकता के आधार पर कार्यक्रम बनाना चाहिए।

अतुल नाहटा, अशोक टेमले एवं नागेश व्यास ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. हेमन्त जैन ने प्रशस्ति पत्र का वाचन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मुक्ता जैन ने किया एवं आभार प्रदर्शन डॉ. विनोद भण्डारी ने किया। इस अवसर पर महापौर कृष्णमुरारी मोघे, पूर्व महापौर डॉ. उमाशशि शर्मा, डॉ. पी. दत्ता, डॉ. भारत छापरवाल आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

इंदौर, रविवार
6 नवंबर 2011
प्रभातकिरण

परिवार ने पहुंचाया बुलंदी पर

राज्यपाल एनएन वोरा नेत्र सुरक्षा के लिए ब्रिगेडियर जितेंद्र कुमार सिंह परिहार का सम्मान किया।

इंदौर : नगर प्रतिनिधि

किसी इंसान के लिए जीवन में इससे बड़ा खुशी का पल क्या हो सकता है कि जिस जगह से उसने अपने भविष्य का सपना संजोए शुरुआत की थी, आज वहीं पर उसे सम्मानित किया जा रहा है। ऐसी ही शख्सियत ब्रिगेडियर जितेंद्र कुमार सिंह परिहार है, जो अभी दिल्ली के आर्मी हॉस्पिटल के नेत्र विभाग के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष हैं।

उन्हें कल महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज हॉल में जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल एन.एन. वोरा के हाथों नेत्र सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सराहनीय काम करने के लिए सम्मानित किया गया।

ब्रिगेडियर परिहार ने बताया कि मेरी प्रायमरी से लेकर हायर सेकेंडरी तक की शिक्षा गौतमपुरा जैसी छोटी जगह पर हुई थी, लेकिन अपने बुलंद इरादे और परिवार के सहयोग के दम पर महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई की, तब कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि जिन गुरु के मार्गदर्शन में और जहां से अपने भविष्य की शुरुआत कर रहा हूं एक दिन उसी जगह पर और उन्हीं गुरु से सम्मानित होने का मौका मिलेगा। यह पल मेरे लिए अनमोल है, जिसे शायद शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है।

परिहार ने कहा कि मेरे पिता एक पशु चिकित्सक थे, उन्हें पशुओं से बहुत प्यार था। आज उनका 82वां जन्मदिन है।

इस अवसर पर सम्मान मिलना गौरव की बात है। यदि मुझे परिवार और समाज का सहयोग नहीं मिला होता तो यह मुकाम हासिल करना संभव नहीं था।

इसके लिए मेरे बड़े भाई और बहन ने अपनी खुशियों को भी कुर्बान किया है। आर्मी में रहते हुए अभी तक लेह, लद्दाख, असम, नगालैंड और सिक्किम में दूर-दूर तक कैंप लगा चुके हैं। परिहार के दो बच्चे हैं, जिनमें बेटी बड़ी है और उसने भी कम्प्यूटर साइंस से बीई करने के बाद आर्मी ज्वाइन कर ली और बेटा बिलासपुर में एमबीबीएस कर रहा है और वह भी आर्मी में आने को तैयार है।

परिहार की पत्नी भी आर्मी में टीचर हैं। यह वह परिवार है, जिसमें देश सेवा कूट-कूट कर भरी है। छोटा हो या बड़ा सभी देश सेवा को आतुर हैं। ऐसी ही शख्सियत को कल सम्मानित करते हुए यह शहर भी गौरवान्वित हो उठा, जिसके साक्षी बने शहर के जाने-माने चिकित्सक और वे युवा डॉक्टर, जो अभी अपने भविष्य की नींव गढ़ रहे हैं।

चौथा संसार

डॉ. नाहटा नेत्र सुरक्षा पुरस्कार से ब्रिगेडियर परिहार सम्मानित

नईदुनिया
नईदुनिया मीडिया प्रा.लि. का प्रकाशन
इंदौर

अंधत्व है सबसे बड़ी चुनौती

डॉ. एमसी नाहटा राष्ट्रीय नेत्र सुरक्षा सम्मान समारोह

परिवार व समाज के सहयोग से सफल

सकारात्मक कदम उठाना होंगे

FREE PRESS
www.freepressjournal.in

Brig Singh conferred Netra Suraksha Puraskar

पत्रिका
इंदौर, रविवार 6 नवंबर, 2011
2

गांवों में सेवाएं दें डॉक्टर

इंदौर. डॉ. एमसी नाहटा नेत्र सुरक्षा राष्ट्रीय पुरस्कार आर्मी हॉस्पिटल दिल्ली के प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष ब्रिगेडियर जितेंद्र कुमार सिंह परिहार को प्रदान किया। एमजीएम मेडिकल कॉलेज सभागृह में शनिवार शाम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल एनएन वोरा थे। वोरा ने कहा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति आज भी ठीक नहीं है। इसमें डॉक्टरों को भी ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर सेवाएं देने की जरूरत है। अध्यक्षता स्वास्थ्य राज्यमंत्री महेंद्र हार्डिया ने की। इस मौके पर महापौर कृष्णमुरारी मोघे भी मौजूद थे।

DNA Sunday
DAILY NEWS & ANALYSIS

Brig Parihar given away Nahta award

इन्दौर समाचार, इन्दौर

ब्रि. जितेंद्र कुमार सिंह परिहार को राष्ट्रीय नेत्र सुरक्षा पुरस्कार

इंदौर में 5 नवं. को डॉ. एम.सी. नाहटा राष्ट्रीय नेत्र सुरक्षा पुरस्कार समारोह

इंदौर, गुरुवार 3 नवंबर 2011 | नईदुनिया 05

ब्रिगेडियर परिहार को एमसी नाहटा पुरस्कार

■ 5 नवंबर को एमजीएम मेडिकल कॉलेज में होगा समारोह

इंदौर से जुड़े हैं

राज एक्सप्रेस 14 | इंदौर | गुरुवार, 3 नवंबर 2011

ब्रिगेडियर डॉ. परिहार को डॉ. नाहटा पुरस्कार

In Pursuit of Truth

पाक्षिक

अवकाश

वर्ष 10, अंक 4 | 16-30 नवम्बर 2011 | मूल्य 15 रुपए

व्यक्तित्व

सच्चे सेवक का सम्मान

चौथा संसार

इंदौर

गुरुवार, 3 नवम्बर 2011

ब्रिगेडियर परिहार को प्रतिष्ठित नेत्र सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किया

नव भारत | इन्दौर, गुरुवार 3 नवंबर 2011

डॉ. नाहटा राष्ट्रीय नेत्र पुरस्कार समारोह 5 को

Maa Tujhe Salam :Most Rich blessings from Mother

Glaucoma awareness activities:

Daily Jagran ,

18 March 2007

Press Release by Nainital – Haldwani Ophthalmic Society

Briefing on Live Surgery workshop(Glaucoma Drainage Device)

अमर उजाला नैनीताल-हल्द्वानी

नैनीताल, सोमवार, 19 मार्च, 2007 8

एसटीएच में नेत्र रोग कार्यशाला आयोजित

घातक है काला मोतियाबिंद

हल्द्वानी। काला मोतिया (ग्लूकोमा) एक खतरनाक रोग है। वर्तमान में विश्व के दस फीसदी लोग इस रोग के चलते अपनी आंख गंवा चुके हैं। लेकिन अब 'अहमद वाल्व प्रत्यारोपण' चिकित्सा पद्यति से अब ग्लूकोमा का मुफीद और सही इलाज संभव है। यह बात दिल्ली के आर्मी हास्पिटल रिसर्च एंड रेफरल हास्पिटल के विभागाध्यक्ष कर्नल जेकेएस परिहार ने कही। कर्नल परिहार रविवार को सुशीला तिवारी वन चिकित्सालय के सभागार में आयोजित नेत्र रोग कार्यशाला को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में उत्तराखंड राज्य के विभिन्न अस्पतालों के नेत्र रोग विशेषज्ञों ने शिरकत की। कर्नल परिहार ने बताया कि काला मोतिया तीन प्रकार का होता है, ओपन एंगल, क्लोज एंगल और कनजिनाइटल। इनके इलाज के लिए दवा, शल्य चिकित्सा और लेजर विधि अपनाई जाती है। यह पद्यति काफी पुरानी होने के कारण इस रोग से पूर्णतया छुटकारा नहीं मिल पाता। लेकिन अब अहमद वाल्व प्रत्यारोपण विधि से ग्लूकोमा का इलाज संभव हो चुका है। उन्होंने बताया कि इस पद्यति से नेत्र शल्य चिकित्सा को नया आयाम मिला है। कर्नल परिहार ने कार्यशाला में कुछ मरीजों पर नई पद्यति से शल्य क्रिया का प्रशिक्षण भी दिया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि उत्तरांचल फारेस्ट ट्रस्ट के सचिव मोनीष मल्लिक ने कार्यशाला का विधिवत उद्घाटन किया। श्री मल्लिक ने कहा कि कुमाऊं मंडल में काला मोतिया के कई मरीज हैं, जिन्हें नई तकनीक से आपरेशन करवाने में काफी मदद मिलेगी। कार्यशाला का संचालन नेत्र रोग विभाग के सह विभागाध्यक्ष डा.एएस ठाकुर ने किया। इस मौके पर डा. एके श्रीवास्तव, डा. बीना मिश्रा, डा. डीके ईशन, डा. आरजेके सिंह, डा. आरएम मल्होत्रा, डा. सुतांशु माथुर, डा. मयंक पांगती, डा. जीएस तीतीपाल, डा. एबी ओली, जनसंपर्क अधिकारी आलोक उप्रेती सहित कई चिकित्सक उपस्थित थे।

अब अमेरिकन विधि से खत्म होगा काला मोतियाबिंद

हल्द्वानीः उत्तराखंड में काला मोतियाबिंद का आपरेशन अब अमेरिकन विधि से किया जाएगा। इसकी शुरूआत एसटीएच में रविवार को होने जा रही है। इस मौके पर यहां जुटने वाले उप्र व उत्तराखंड के जाने-माने नेत्ररोग विशेषज्ञों को यहां नई विधि का प्रशिक्षण दिया जाएगा वहीं रोगियों का निशुल्क आपरेशन भी होगा।

एसटीएच में वरिष्ठ नेत्ररोग विशेषज्ञ डा.एएस ठाकुर ने बताया कि काला मोतियाबिंद के आपरेशन की नई विधि का नाम 'अहमद भाल प्रत्यारोपण विधि' है। अमेरिका में यह विधि तेजी से अपनायी जा रही है। इसको आईआईटी कानपुर के इंजीनियर डा.अहमद भाल ने ही विकसित किया था। जो बाद में अमेरिका चले और वहां फेडरेशन ड्रग एक्ट से इस विधि को मान्यता मिल गई। डा.ठाकुर ने बताया कि इस विधि से सर्जरी फेल रोगियों का भी इलाज किया जा सकता है। अमेरिका में इस विधि से जहां 40 हजार रुपयों में इलाज हो रहा है तो भारत में इस पर मात्र 10 हजार रुपये ही खर्च होंगे। उन्होंने बताया कि रविवार को दिल्ली विश्वविद्यालय आर्मी हॉस्पीटल रिसर्च एंड रेफरल के विभागाध्यक्ष डा.जेकेएस परिहार एसटीएच में एकत्र होने वाले उप्र व उत्तराखंड के नेत्ररोग विशेषज्ञों को प्रशिक्षित करेंगे। इसके अलावा रोगियों के निशुल्क आपरेशन भी किए जाएंगे। 18/3/07

वर्षों से राष्ट्र की सेवा में समर्पित

वीर अर्जुन

देश-विदेश

सेना के आरआर अस्पताल में विश्व ग्लूकोमा दिवस आयोजित

संडे नईदुनिया

कुल पृष्ठ 16 + 48 पेजों की पत्रिका मुफ्त

संक्षिप्त समाचार

काला मोतिया अंधेपन की बड़ी वजह

Eye Camps in North Eastern India by Modern Cataract Surgery technique of Phacoemulsification surgery :

The Northeast Herald

VOL.1. NO.122. DIMAPUR WEDNESDAY APRIL 05, 2006 Rs. 3.00

Eye camp successfully conducted at Rangapahar

The Drs examining a two year old girl who was the youngest patient to be operated and Dr Parihar conducting an eye surgery during the free eye camp in Rangapahar on Tuesday.

Dimapur (HNS): The eye camp organized at Rangapahar Military Station by Army was successfully conducted with eye patients from various parts of Dimapur attending the programme and availing the facilities.

For the first time in the entire north eastern state, Phaco Emulsification technology was used for cataract surgery. The operations were conducted at Military Hospital, Rangapahar, Dimapur by a renowned eye surgeon of Indian Army with international repute, Col. J.K.S. Parihar, Eye Super Specialist from Kolkata.

A two year old girl child who was blinded due cataract was also operated upon and doctors said that she would be able to gain her vision again. According to Col. Ganga Sharan (Gynecologist), Registrar, 165 Military Hospital, altogether 251 patients are registered for eye check-up and out of which five ex-servicemen and 32 civilians admitted in the hospital for operation.

Col A. K. Singh, the Officer In-Charge of the Operation Theatre, who was instrumental for successful conduct of operations said the surgeries were conducted with gratifying results.

The patients, mostly civilians are those who cannot afford to meet huge expenditure involved in their treatment expressed happiness and satisfaction and thanked the army for their concern towards the needy people. One Naga lady said she had more than 40 thousand rupees for eye operation in Guwahati. However, this time she did not have to spend a single paisa for the treatment. Apart from medication, even food during her stay in the hospital is provided by the Army free of cost.

Interacting with the media persons, the military doctors said the 140 bedded hospital has all basic facilities even during emergencies. The well-maintained hospital has got a history of treating civilians in times of emergency.

Nagaland Post

Free eye camp by 3 Corps at Rangapahar

DIMAPUR: 3 Corps Rangapahar will organize a free eye camp for ex-servicemen and other senior citizens of Nagaland at Bhagat Stadium, Rangapahar Military Station (Near TCP No -1).

Screening and OPD consultation will be on April 02 and 03 at 8:30 to 12:30 and operation on April 03 and 04 at Military Hospital. A defence release issued from the military hospital said the camp will provide free consultation, medication and cataract surgery where cataract surgery and free implantation of intra ocular lenses will be performed by reputed eye surgeons of army.

Surgery will be performed by latest state-of-the-art Phacoemulsification technique, the release said. The release also informed that for further information, one may contact the Zila Sainik Board, or call at phone nos: 280002/256526.

Eye Donation activities on Tele Media

DD NEWS : TOTAL HEALTH : CORNEAL TRANSPLANT & EYE DONATION ,28 AUG 2016

TOTAL HEALTH : DD NEWS : ORGAN DONATION :19 JUN 2016

DD NEWS : TOTAL HEALTH :
BLINDNESS & EYE DONATION, 13 SEP 2015

Total Health: DD News:
Blindness & Eye Donation: 25 Aug 2013

डी डी न्यूज़ : नया सवेरा : 29 जून 2016
दृष्टि दोष : इलाज़
मेजर जनरल जे के एस परिहार, एस एम ,वी एस एम**

DD NEWS: The Breakfast Show :
29 June 2016
Refractive Errors :Treatment
Maj Gen JKS Parihar, SM,VSM**

डी डी न्यूज़ : नया सवेरा : 30 अगस्त 2016
कार्नियल दृष्टिहीनता : कारण
मेजर जनरल जे के एस परिहार, एस एम ,वी एस एम**

DD NEWS: The Breakfast Show : 30 Aug 2016
Corneal Blindness: Causes & Prevention
Maj Gen JKS Parihar, SM,VSM**

NEWER ADVANCES IN CATARACT & GLAUCOMA
GOOD EVENING INDIA :DD NATIONAL & DD BHARTI : 03 AUG 2012

Earth Quake Victims Donates Eye : Feb 2001

More than 260 victims of the Bhuj (Gujrat) *earthquake* were evacuated by air to Military Hospitals in Pune and treated for various ailments during month of Feb 2001.
The relatives of two victims namely Late Mrs Ban Bai Kasara and Mr Dayal Bhai Nanda were extremely kind enough to donate eyes to the Eye Bank of AFMC. Lt Col (Then) JKS Parihar , Officer In charge of Eye Bank AFMC Pune persuaded relatives and carried out the task of eye donation and subsequent performed surgery of Corneal Transplantation into the eyes of two needy personnel.

This activity was highlighted by Print and Electronic Media at a large scale.

नव भारत महानगर

पुणे, शनिवार १० फरवरी २००१

जाते-जाते भी अनमोल दान दे गए वे

दो भूकंप पीड़ितों ने चार लोगों के जीवन में उजाला बिखेरा

आकाश श्रीवास्तव

पुणे, 9 फरवरी.

वे इस दुनिया से हमेशा के लिए जुदा हो गये, लेकिन उनकी आंखें आज किसी की बुझी हुई जिन्दगी में उजाला भर रही हैं. बेरहम, निर्दयी मौत भी उनसे उनकी आंखें नहीं छीन पायी, वे कल भी दुनिया में थीं और आज भी दुनिया में हैं. दास्तान उनकी है, जिन्हें गुजरात के क्रूर भूकंप ने बड़ी बेरहमी से मरने के लिए विवश कर दिया. लाखों लोग बुरी तरह घायल हुए, उन्हीं घायलों में से थे 45 वर्षीय दयालभाई नंदा और लगभग 75 वर्षीय बान बाई कसरा, जो गुजरात के भुज जिले के रहने वाले थे. शरीर चूर-चूर हो गया था, कई हड्डियां टूट गयी थीं. अत्यन्त गंभीर स्थिति में सेना ने उन्हें 29 जनवरी को पुणे के कमांड अस्पताल में भर्ती कराया. सेना के चिकित्सकों द्वारा अथक प्रयास किये जाने के बावजूद मौत के क्रूर पंजों से उन्हें नहीं छुड़ाया जा सका. बान बाई और दयाल भाई को अपने मौत का एहसास हो गया, तो उन्होंने अपनी आंखें दान करने की इच्छा इसी अस्पताल में व्यक्त की. 7 फरवरी को कमांड अस्पताल में दोनों ने जीवन की आखिरी सांसें लीं. उनके परिजनों की सहमति मिलने पर सशस्त्र बल चिकित्सा महाविद्यालय (एएफएमसी) के नेत्र विभाग के विशेषज्ञ ले. कर्नल जितेन्द्र कुमार सिंह परिहार और विभाग के प्रमुख कर्नल पी.के. शाहू के दल ने आधे घण्टे में दोनों की आंखों की शल्यक्रिया की. बाद में दूसरे दिन इन चारों आंखों को, किसी कारण से अपनी आंखों की ज्योति खो चुके चार लोगों को आंखें प्रत्यारोपित कर दी गयीं.

प्रत्यारोपण शल्यक्रिया लगभग 8 घण्टे तक चली. इसके बाद चार दृष्टिहीनों की आंखों में रोशनी लौटने लगी है. इनमें से दो की उम्र करीब 35 से 45 के बीच है, जबकि दो व्यक्ति 60 से 70 वर्ष की मध्य के हैं. ये सभी पुणे जिले के रहने वाले हैं. इसमें एक व्यक्ति सेना का है, जबकि तीन नागरिक हैं.

नेत्र विशेषज्ञ ले. कर्नल परिहार कहते हैं, नेत्र दान एक बहुत बड़ा कार्य है. इससे किसी के जीवन में रोशनी भर सकती है. नेत्र दान करने वाले से अधिक सहयोग की जरूरत उसके सगे-संबंधियों की सहमति की होती है, क्योंकि जब व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है तो बगैर उसके संबंधियों की सहमति के हम कुछ नहीं कर सकते.

यह आवश्यकता होती है कि, जिस व्यक्ति को नेत्र प्रत्यारोपित किया जाता है, उसे नेत्रदाता अथवा अंगदाता के बारे में कुछ नहीं बताया जाता है. उसे सिर्फ इतना ही बताया जाता है, कि उसे किसी दूसरे व्यक्ति की आंख लगायी गयी है. यह एक संवैधानिक प्रक्रिया है, जिसके मापदण्डों का पालन मानव अंग प्रत्यारोपण भारतीय अधिनियम 1994 के अन्तर्गत करना अनिवार्य होता है.

यह शाश्वत सत्य है कि बानबाई कसरा और दयाल भाई नंदा अब कभी लौटकर नहीं आएंगे, लेकिन चार व्यक्तियों के जीवन से अंधेरा हट गया है, उनकी आंखों में दयाल भाई और बानबाई की आंखें एक नई सुबह लेकर आयी हैं. दयाल और बानबाई अपने शरीर से न सही, किसी और के शरीर से तो इस जहां को आज भी देख रहे हैं.

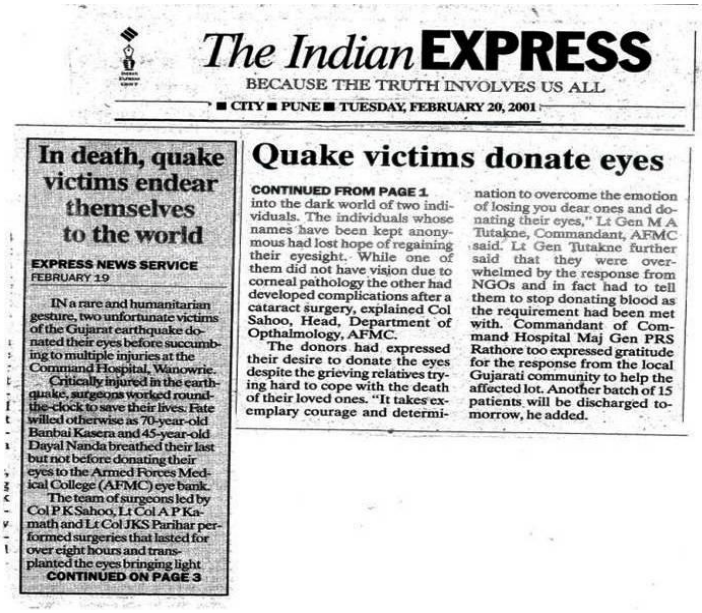

The Indian EXPRESS

BECAUSE THE TRUTH INVOLVES US ALL

CITY ■ PUNE ■ TUESDAY, FEBRUARY 20, 2001

In death, quake victims endear themselves to the world

EXPRESS NEWS SERVICE
FEBRUARY 19

IN a rare and humanitarian gesture, two unfortunate victims of the Gujarat earthquake donated their eyes before succumbing to multiple injuries at the Command Hospital, Wanowrie.

Critically injured in the earthquake, surgeons worked round-the-clock to save their lives. Fate willed otherwise as 70-year-old Banbai Kasera and 45-year-old Dayal Nanda breathed their last but not before donating their eyes to the Armed Forces Medical College (AFMC) eye bank.

The team of surgeons led by Col P K Sahoo, Lt Col A P Kamath and Lt Col JKS Parihar performed surgeries that lasted for over eight hours and transplanted the eyes bringing light

CONTINUED ON PAGE 3

Quake victims donate eyes

CONTINUED FROM PAGE 1

into the dark world of two individuals. The individuals whose names have been kept anonymous had lost hope of regaining their eyesight. While one of them did not have vision due to corneal pathology the other had developed complications after a cataract surgery, explained Col Sahoo, Head, Department of Opthalmology, AFMC.

The donors had expressed their desire to donate the eyes despite the grieving relatives trying hard to cope with the death of their loved ones. "It takes exemplary courage and determination to overcome the emotion of losing you dear ones and donating their eyes," Lt Gen M A Tutakne, Commandant, AFMC said. Lt Gen Tutakne further said that they were overwhelmed by the response from NGOs and in fact had to tell them to stop donating blood as the requirement had been met with. Commandant of Command Hospital Maj Gen PRS Rathore too expressed gratitude for the response from the local Gujarati community to help the affected lot. Another batch of 15 patients will be discharged tomorrow, he added.

VOL. XXXIX NO. 2 — MAHARASHTRA — Pages: 16 , Price: Rs 2.50

SUNDAY HERALD

10 PUNE, SUNDAY, FEBRUARY 18, 2001

PUNE BRIEFS

Shocked relatives permit eye donation

THOUGH the relatives of the two deceased persons were in a state of shock, they, however rose above their personal feelings and grief and agreed to donate the eyes of their near and dear departed ones.

The military medical doctors at the Armed Forces Medical College did their utmost to save the lives of Banbai Kasera (70) and Dayal Nanda (45) who had been admitted to the hospital for treatment. But, the efforts of the doctors proved futile.

The highly dedicated Eye Bank team of the AFMC approached the relatives of the deceased who, despite being in a state of shock, rose above their personal sorrow and agreed to donate eyes of the deceased persons.

The Eye Team, led by Col Sahoo, Lt Col A P Kamath and Lt Col J K S Parihar performed an eight-hour surgery and transplanted the corneas to bring light in the lives of two young individuals who had lost all hope of seeing agin.

LET TRUTH PREVAIL

ESTABLISHED 1838

THE TIMES OF INDIA

VOL. II. NO. 112

Pune, Wednesday, May 16, 2001

City briefs

Posthumous eye donation

Mukund Bhute

■ IN a rare gesture of magnanimity, the relations of Balakrishna Bhaurao, an 80-year-old resident of Salunkhe Vihar who passed away recently, donated his eyes soon after his demise.

Bhaurao, who was suffering from cancer for a long time, had expressed a desire to donate his eyes. On his demise, the relations promptly informed the eye bank of the Armed Forces Medical College. An experts' team, led by Lieutenant Colonel J K S Parihar, Major Mishra and Dr Bhaskar, reacted immediately and retrieved the eyes.

These were implanted the same day on two individuals who had lost their eyes due to infection.

प्रभात

भूकंपातील मृतांच्या नेत्रदानाने दोघांना नेत्र संजिवनी

पुणे, दि. १६ (प्रतिनिधी)-भूकंपात मृत्यूमुखी पडलेल्या दोन जणांनी केलेल्या नेत्रदानामुळे दोन जणांनाच संजीवनी दिली. श्रीमती बाताबाई कसेरा (वय ७०) आणि दमाल नंदा (वय ४५) अशी नेत्रदान करणाऱ्या व्यक्तींची नावे होत.

दि. २६ जानेवारी रोजी भूजमध्ये झालेल्या भूकंपात दोघेही गंभीर जखमी झाले. लष्करी जवानांनी त्यांना वाचवून विमानाने पुण्यास उपचारासाठी पाठवले. वानवडी येथील लष्करी रुग्णालयात उपचार चालू असतानाच त्यांचे निधन झाले.

लष्कराच्या नेत्रपेढीच्या वैद्यकीय अधिकाऱ्यांनी श्रीमती कसेरा आणि नंदाच्या नातेवाईकांची भेट घेतली. नेत्रदानासंदर्भात त्यांना माहिती देऊन त्याचे महत्त्व पटवले. नातेवाईकांनी नेत्रदान करण्याची तयारी दर्शवली. नेत्रपेढीचे प्रमुख डॉ. कर्नल पी. के. साहू, लेफ्टनंट कर्नल ए. पी. कामथ आणि लेफ्टनंट कर्नल जे. के. एस. परिहार यांनी शस्त्रक्रिया करून नेत्र काढले आणि दोन तरुणांना यशस्वीरित्या शस्त्रक्रिया करून बसवले.

लोकमत

इंटरनेट आवृत्ती - http://www.lokmat.com

भूकंपग्रस्तांकडून दोन पुणेकरांना 'दृष्टी'ची अनमोल भेट

प्रतिनिधी

शुक्रवार

पुणे : भूकंपामध्ये गंभीररीत्या जखमी होऊन मृत्यूला सामोरे जाणाऱ्या दोघा रुग्णांनी, मृत्यूनंतर नेत्रदान केल्याने, पुण्यातील दोघा तरुणांना दृष्टी मिळाली असून मानवतेचे दर्शन घडविणाऱ्या या हृदयद्रावक घटनेने लष्करी हॉस्पिटलातील जवानही आज गहिवरून गेले.

मानबाई कसेरा आणि दयाल नंदा अशी या दोन रुग्णांची नावे आहेत. भूकंपामध्ये अनेक ठिकाणी गंभीर स्वरूपाच्या जखमा झाल्याने या दोघांना पुण्याच्या कमांड हॉस्पिटलमध्ये अत्यवस्थ अवस्थेत दाखल करण्यात आले. यापैकी मानबाई या सत्तर वर्षांच्या होत्या, तर दयाल नंदा ४५ वर्षांच्या होत्या. अथक परिश्रम करूनही हे दोघे वाचू शकले नाहीत. त्यांच्या मृत्यूनंतर लष्करी वैद्यकीय महाविद्यालयाच्या आय बँकेच्या अधिकाऱ्यांनी त्यांच्या नातेवाईकांशी संपर्क साधला. शोकाकुल झालेल्या या नातेवाईकांनी मानवतेच्या भावनेतून नेत्रदानाला अनुमती दिली. त्यांच्या जिवलगांचे डोळे नाजुकपणे ताब्यात घेण्यात आले. कर्नल पी. के. साहू, लेफ्टनंट कर्नल ए. पी. कामत आणि लेफ्टनंट कर्नल जे.के.एस. परिहार यांनी दोन तरुणांवर आठ तास शस्त्रक्रिया केली आणि त्यांच्यावर डोळ्यांचे प्रत्यारोपण केले. त्यामुळे अंधकारमय जीवन जगणाऱ्या दोन युवकांच्या जीवनात विश्वाचे खरेखुरे दर्शन घेण्याच्या आशा पल्लवित झाल्या आहेत.

लोकसत्ता
इंडियन एक्सप्रेस समूह
पुणे, मुंबई, नागपूर येथून प्रकाशित) सोमवार, ६ मे २००२

ऋणानुबंध फाऊंडेशनच्या वतीने रविवारी पुण्यामध्ये आयोजित नेत्रदान शिबिराचे उद्घाटन करताना एअर मार्शल एस. के. धाम. शेजारी डॉ. श्रीराम लागू व चंदू बोर्डे

नव्या पिढीतील तरुणांचा डोळस 'ऋणानुबंध'

प्रतिनिधी
पुणे, ५ मे

दोन वर्षांपूर्वी अभियांत्रिकी पदविकेचे शिक्षण घेता घेता अंध विद्यार्थ्यांना परीक्षेसाठी लेखनिक म्हणून हात दिला आणि आज नेत्रदानाशी संबंधित कार्यासाठी 'ऋणानुबंध' अशा सार्थ नावाची संस्था स्थापन करून समाजात काही भले घडवू इच्छिणाऱ्या सत्तर तरुणांनी साडेचारशे नागरिकांना नेत्रदानासाठी प्रवृत्त करण्यात यश मिळवले आहे.

ऋणानुबंध फाऊंडेशन या संस्थेच्या नेत्रदान शिबिराचे उद्घाटन आज लष्करी वैद्यकीय रुग्णालयाचे प्रमुख एअर मार्शल एस. के. धाम यांच्या हस्ते व विचारवंत अभिनेते डॉ. श्रीराम लागू, चंदू बोर्डे आणि सामाजिक कार्यकर्त्या सिंधुताई सपकाळ यांच्या उपस्थितीत झाले. नेत्रदानाचे महत्त्व या तिघांही मान्यवरांनी सांगितले. एएफएमसीतील नेत्ररोग विभागातील लेफ्टनंट कर्नल जे. के. एस. परिहार यांनीही नेत्रदानाचे महत्त्व सांगणारी ध्वनिचित्रफीत दाखवून त्याबाबतची माहिती दिली.

वाडिया महाविद्यालयातून अभियांत्रिकी पदविका अभ्यासक्रम पूर्ण करताना एका अंध विद्यार्थ्याला परीक्षेच्या वेळी लेखनिक म्हणून सहकार्य केले. त्यानंतर मग अन्य समविचारी विद्यार्थीही अशा प्रकारे अंध विद्यार्थ्यांसाठी लेखनिक म्हणून जाऊ लागले. अंध विद्यार्थ्यांना लेखनिक म्हणून नियमितपणे सहकार्य करणाऱ्या अभियांत्रिकी पदविका अभ्यासक्रमाच्या पंचवीस विद्यार्थ्यांचा गटच तयार झाला आणि त्यातूनच ऋणानुबंध फाऊंडेशन अशी संस्था सुरू करावी, असे सुचल्याचे रवी ठाकूर याने सांगितले.

ऋणानुबंध फाऊंडेशनमध्ये १५ पदाधिकारी व अन्य सत्तर कार्यकर्ते यांचा समावेश असून हे सर्व जण पंचविशीच्या घरातील आहेत. दोन वर्षांपूर्वी अंध विद्यार्थ्यांसाठी काही करावे असे ठरवले होते पण आधी स्वतःच्या पायावर उभे राहायला हवे आणि नंतरच हे काम करायला हवे, असा विचार करून दोन वर्षांनी १३ एप्रिल २००२ ला संस्था सुरू करण्यात आली. अभियांत्रिकी पदविका अभ्यासक्रमातील शिक्षक व्ही. जी. चिरपुटकर यांनी संस्थेसाठी ऋणानुबंध हे सार्थ नाव सुचवले आहे.

संस्थेच्या या सर्व कार्यकर्त्यांनी एक हजार जणांकडून नेत्रदानाचे अर्ज भरून घेण्याचे उद्दिष्ट ठेवले आहे. अनेक विद्यार्थ्यांचे पालक परगावी असल्याने अर्ज भरून घेताना त्यांच्या स्वाक्षऱ्या घेण्याच्या तांत्रिकता पूर्ण व्हावयाच्या आहेत. मात्र, साडेचारशे जणांनी नेत्रदानाचे अर्ज भरून दिले आहेत आणि ते लष्करी वैद्यकीय महाविद्यालयाकडे सुपूर्त केले आहेत, असेही ठाकूर यांनी सांगितले. नेत्रदान करणारे सर्व जण पुणे शहर व परिसरातीलच आहेत. यापुढेही नेत्रदानाशी संबंधित उपक्रम राबवण्यात येणार आहेत. या ध्येयवादी तरुणांच्या कार्याचा गौरव डॉ. लागू, एअर मार्शल धाम व सपकाळ यांनी केला. ■

सकाळ
इंटरनेट आवृत्ती www.eSakal.com
पुणे, सोमवार, ६ मे २००२

ऋणानुबंध फाउंडेशनच्या नेत्रदान शिबिरास प्रारंभ

पुणे, ता. ५ : ऋणानुबंध फाउंडेशनतर्फे आज नेत्रदान शिबिर मोहिमेची सुरवात झाली. फाउंडेशनचे अध्यक्ष रवी ठाकूर यांनी ए.एफ.एम.सी.चे नेत्रविभाग प्रमुख कर्नल आर. पी. गुप्ता यांच्याकडे या मोहिमेत सहभागी झालेल्या नऊशे लोकांचे नेत्रदानासंबंधीचे अर्ज सुपूर्त केले.

या फाउंडेशनची स्थापना गेल्या एप्रिलमध्ये झाली. त्यात सक्रिय असलेले महाविद्यालयीन युवक अंधशाळेतील मुलांसाठी लेखनिक म्हणून जात असत. त्या वेळी अंध विद्यार्थ्यांची गरज लक्षात घेऊन या तरुणांनी सामाजिक बांधिलकेच्या भूमिकेतून ही मोहीम हाती घेतली आहे.

या कार्यक्रमास ज्येष्ठ अभिनेते डॉ. श्रीराम लागू, सामाजिक कार्यकर्ते डॉ. बाबा आढाव, ज्येष्ठ क्रिकेटपटू चंदू बोर्डे, सामाजिक कार्यकर्त्या सिंधूताई सपकाळ, लेफ्टनंट कर्नल जे. के. एस. परिहार आदी उपस्थित होते.

ऋणानुबंध संस्थेतर्फे समाजातील सर्व घटकांना नेत्रदानाचे आवाहन करण्यात आले आहे. इच्छुकांनी ६९९३१७२, ६१२२३१७ या क्रमांकावर संपर्क साधावा.

पिछले 23 साल से प्रकाशित पुणे का एकमात्र हिन्दी दैनिक
आज का आनंद
RNI NO.-32038/79
Regd. No. PR/RNP/PNW/D/5/2001
आज का आनंद बिल्डिंग, शिवाजीनगर, पुणे-5 (फोन : 5534888 / 5533224)
आज का आनंद पुणे का No.1 हिन्दी दैनिक
सोमवार, 3 जून 2002

पद्मभूषण डॉ.एस.एस.बद्रीनाथ एएफएमसी नेत्र विभाग में हाल ही में पधारे। इस अवसर पर नेत्रविभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

'देश के एक करोड़ 20 लाख अंध लोगों को 'दृष्टि' दिलाने हर सर्जन हर साल 600 शल्यक्रियाएं करे'

राष्ट्रपति के चिकित्सा सलाहकार डॉ.बद्रीनाथ ने एएफएमसी में कहा

आनंद प्रतिनिधि
पुणे, 2 जून

'विश्वभर में पांच करोड़ लोग अंधपन के शिकार हैं। उनमें से 25 प्रतिशत केवल भारत में ही हैं। अंध मरीजों की बढ़ती हुई संख्या पर काबू पाने व करीब एक करोड़ बीस लाख अंधजनों को दृष्टि दिलाने देश के हर सर्जन को प्रतिवर्ष कम से कम छह सौ शल्यक्रियाएं करनी होगी।' यह प्रतिपादन पद्मभूषण पद्मश्री डॉ.एस.एस.बद्रीनाथ ने किया।

डॉ.बद्रीनाथ जो संकरा नेत्रालय (चेन्नई) के संस्थापक अध्यक्ष हैं और राष्ट्रपति के चिकित्सा सलाहकार भी हैं, एएफएमसी में पधारे थे। डॉ.बद्रीनाथ ने एएफएमसी के नेत्र विभाग की प्रशंसा की। आरंभ में उनका स्वागत कमांडेंट एयर मार्शल एस.के.धाम ने किया।

डॉ.बद्रीनाथ ने डब्ल्यू एचओ के 'विजन बाय 2020' के निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के संबंध में मार्गदर्शन करते हुए कहा कि, समाज में नेत्रविकार, नेत्रदान, उचित आहार व वैक्सीनेशन के लिए व्यापक जनजागरण होना आवश्यक है।

इस अवसर पर नेत्रविभाग के प्रमुख प्रो.कर्नल आर.पी.गुप्ता, एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दैनिक भारत डायरी 7 मार्च 2001.

काश ! सभी डाक्टर भारतीय सेना का अनुकरण करते

जहाँ भारत के पड़ोसी देशों की सेनाएं सत्ता हथियानें और सत्ताधीश शासकों के खिलाफ षड्यन्त्र करने में अपना अधिकांश समय बर्बाद करने के लिए जानी जाती हैं वहीं हमारी सेनाएं, देशप्रेम, सेवा, निष्ठा, ईमानदारी, सॉहस, शौर्य, वीरता, और अपने कर्तव्य परायणता के लिए सुविख्यात हैं।

- लवकुश तिवारी

जी हाँ! यह मात्र किताबी बातें नहीं, न ही भारतीय सेना की वाह-वाही में कहा जानेवाला झूँठा शब्द जाल ही है। यह वह शाश्वत सत्य है जिसे भारतीय सैनिकों ने न केवल युद्ध काल में बल्कि आपात स्थितियों, दैवी आपदाओं और सामान्य दिनों में सिद्ध कर दिखाया है। वैसे तो भारतीय सैनिकों की प्रशंसा में जितना भी लिखा जाए कम होगा, किन्तु यहां भारतीय सैन्य सेवाओं का आम जनता को मिल रहे उल्लेखनीय योगदान का अवश्य उल्लेख करना होगा।

पुणे स्थित सदर्न कमांड नियंत्रित "कमांड अस्पताल" का पिछले दिनों संयोगवश दौरा करने का अवसर मिला। इसे संयोग ही कहा जाएगा कि उसी के ठीक एक दिन पूर्व अस्पताल के वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक ले. कर्नल जे.के.एस. परिहार के मार्गदर्शन में ३ दर्जन से भी अधिक नेत्र पीड़ितों का सफल आपरेशन निःशुल्क शिविर लगाकर कर किया गया था।

जिस दिन हम पहुंचे उस दिन उक्त सभी नेत्र पीड़ितों को नेत्र संबंधी अत्यावश्यक निर्देश देने हेतु, अस्पताल के नेत्र चिकित्सा विभाग के एक कक्ष में एकत्र किया गया था। उन्हें एक साथ एकत्र करने का एक उद्देश्य यह भी था कि कुछ ही दिनों बाद जब उनकी आँखों से पट्टियां खुलेंगी तो, "वह" जिनके लिए कल तक सब कुछ या तो अन्धेरा था या फिर धुंधला, अस्पष्ट;

आँखों देखी

उन्हेंअपने स्वजनों के मुस्कराते चेहरे इस दुनियाँ की रंगीनियाँ और प्रकृति का खिला निखरा रुप खुली आँखों से देखने को मिलेगा, जो कि उनके नव जीवन की शुरुआत होगी। बस इसी नव जीवन की शुभ कामनाएं देना इस सादे आयोजन का मुख्य उद्देश्य था।

कक्ष के बाहर बैठे उन नेत्र पीड़ितों के अभिभावकों, स्वजनों की मुखमुद्रा और आँखों की चमक, कमांड अस्पताल के नेत्र चिकित्सकों और भारतीय सेना के निस्काम सेवा भाव की वही अमूर्त रुप, मेडल थी जिसे कोई पराक्रमी सैनिक अपने कट्टर दुश्मनों पर विजय प्राप्त कर पाता है। अन्तर था तो बस इतना कि वह मेडल सीने के ऊपर दिखाई देता है जबकि यह मेडल सीने के भीतर जैसे टांक दिया गया था। जो अमिट होता है। अपने नेत्र पीड़ित परिजनों के साथ आए कुछ लोगों से जब औपचारिक बातचीत हुई तो प्रतिक्रिया स्वरुप उन्होंने जो शब्द कहे वह वास्तव में उल्लेखनीय हैं। एक ५५ वर्षीय व्यक्ति ने कहा - सिविलियन सरकारी अस्पतालों और निजी आधुनिक अस्पतालों में तो व्यापार होता है, जिन्दगी और मौत, अन्धेरे और उजाले को रुपयों में बेचा-खरीदा जाता है। उन्हें डाक्टर कहना इस पवित्र पेशे का अपमान करना होगा। डाक्टर तो यह हैं जो हमारे लिए डाक्टर कम भगवान और देवदूत अधिक हैं। मुझे आपस में बातचीत करते देख एक १२ वर्षीय बालिका धीरे-धीरे हमारे पास खिसक आई और कब बातचीत में शामिल हो गई पता ही न चला, पता तो तब चला जब उसने हमें यह कह कर चौंका दिया कि, उसके अब्बु जान अब देख सकेंगे और जब वे देखने लगेंगे तो फिर काम पर जाएंगे और उसकी पढ़ाई जो कि फीस के अभाव में बन्द हो गई है फिर शुरु हो सकेगी।

इस बातचीत ने मेरे पत्रकार मन को झकझोर कर रख दिया। वास्तव में मैं भी अपनी माँ की नेत्र ज्योति के सम्बन्ध में ही इस अस्पताल में अपने मित्र आकाश श्रीवास्तव के साथ आया हुआ था। बाद में ले. कर्नल परिहार, कर्नल साहू, डा. संजय मिश्रा, आदि से मिलकर उनके शरण में आए पीड़ित व्यक्तियों की पीड़ा के प्रति उनकी संवेदनशीलता और कार्य करने की शैली, नम्रशीलता आदि देखकर मुझ जैसा आलोचक भी प्रभावित हुए बगैर न रहा। आते वक्त आटो चालक से भी कमांड अस्पताल के सम्बन्ध में चर्चा छिड़ी, उसने जाने-अन्जाने एक बहुत ही महत्वपूर्ण और प्रेरणादाई चुनौती भरा वाक्य कहा- "साहब! काश! सभी अस्पतालों के डाक्टर भारतीय सेना का अनुसरण करते।"

उल्लेखनीय है कि, सेना ने गुजरात में आए विनाशकारी भूकंप के शिकार सैकड़ों लोगों का सेवा भाव से उपचार किया है। कर्नल परिहार के नेतृत्व में तो नेत्रदान से नेत्र प्रत्यारोपण तक इसी अस्पताल में किया जा चुका है।

●●●

The Indian **EXPRESS**

LUCKNOW • MUMBAI • NAGPUR • PUNE • VADODARA WEEKLY FROM NEW YORK ■ CITY ■ PUNE ■ MONDAY, MARCH 25, 2002 ■ 16 + 10 NEWSLINE ■ Re 1.00

Carry on doctors!

FOR these doctors, the usual rat race associated with their fraternity has no meaning. At the Armed Forces Medical College (AFMC), there is no rat race. The Ophthalmology department here has four surgeons, each an achiever in his own area, instructing the cadets here in the finer nuances of the eye. But come Sunday, or any other holiday, and they are all ready to head out for the rural areas, to set up eye camps for needy civilians.

For the past four to five years, AFMC doctors have been holding both diagnostic and surgical camps in Pune district and rural Western Maharashtra. But it was after Air Marshal S K Dham took over as Commandant of the AFMC in January 2002 that the differentiation between civilian and armed forces personnel in need of eyes operations was narrowed down. Dham himself is an immunologist of repute and his wife is into community work.

Says Col R P Gupta, professor and HoD, Ophthalmology Department, "Air Marshal Dham encouraged us to get more into community ophthalmology work, which broadly means eye care and cataract surgery for free." Among the surgeons here are Gupta, who is a vitrio-retinal surgeon, Col A P Kamath (Ocularplasty or plastic surgery for the eye), Lt Col J K S Parihar (lens surgery), Col F E A Rodericks (contact lens and glaucoma work).

Held mostly on Sundays and other holidays, the camps are sponsored by the Lions' Club and pharmaceutical companies, says Gupta. "On the day of the camp, we request related firms to supply us with extra PHACO emulsification machines and usually we have six operating microscopes at least, besides ECG and glaucometer. Instead of the usual surgery for cataracts, we are providing laser surgery. All this is for free," he adds.

AFMC makes it a point that the surgeries are never carried out at the camps. "In laser surgery there is a high risk of infection, so the patients are brought to the Cantonment General Hospital and operated upon. The patients requiring surgery are selected, diagnosed and brought here for surgery," explains Gupta.

Till now, around 2000 operations have been performed, and approximately 12 to 15 diagnostic and surgical camps are held per year, informs Gupta. The World Bank, incidentally, is providing the government with funds towards eradicating blindness. The government, in turn, has recognised AFMC as the training centre for government ophthalmologists from all over India.

"The surgeries we perform here are cataract operations through laser, glaucoma surgery and intra-ocular lens implantation, and corneal transplants which comes under the 'Eye Banking' section of our activities. This involves collection of eyes and identifying the patients in need of an eye transplant, and then of course the surgery itself. We are registered with the Eye Bank Association of India (EBAI)," Gupta informs.

■ KARTYK VENKATRAMAN

A fanatic is a man who does what he thinks the Lord would do if He knew the facts of the case.
— *Finley Peter Dunne*

e-mail all nris you know to follow developments at the centre at www.timesofindia.com

ESTABLISHED 1838

THE TIMES OF INDIA

Pune, Friday, March 22, 2002 Bennett, Coleman & Co., Ltd. 24 pages including Pune Times * Invitation Price Re. 1

AFMC EXTENDS MEDICAL KNOW-HOW TO NEEDY CIVILIAN POPULATION

New ray of hope for corneally blind

By Siddhartha D. Kashyap
Times News Network

PUNE: An Armed Forces Medical College (AFMC) project initiated to restore the vision of corneally blind soldiers has now been extended to the civilian population, bringing hope to the large number of similarly afflicted people in the country.

The limbal stem cell transplant project was undertaken at the AFMC in 2000 at the instance of the Defence Research and Development Organisation (DRDO). The aim was to restore the vision of soldiers who lost it due to chemicals, fire, disease or injury on the battlefield.

Having developed this treatment successfully, the AFMC has been able to restore the vision of about 50 persons, including soldiers and civilians, so far. AFMC commandant Air Marshal Satish K. Dham told *Times News Network* that corneal blindness afflicts nearly two million persons in the country and occurs due to the dryness of the eyes caused by disease or an injury.

"Corneal blindness among soldiers could result even from a splinter injury," Dham said, adding that there was no known treatment for this form of blindness. However, the limbal stem cell transplant technique, which helps the regeneration of new corneal tissue, has come as a big boon to persons who have lost vision due to corneal blindness.

Restoring vision at AFMC.

Only five or six other centres across the country, including the All India Institute of Medical Sciences and Shankar Netralaya, are conversant with this treatment, he said.

A specialist in clinical immunology, the AFMC commandant said that the ability to grow cornea tissue is "a unique and important step" toward the goal of producing "off-the-shelf" cornea replacement tissue.

According to him, a majority of blindness occurs due to dryness of the eyes for one reason or another. "This is an important technique to restore the wetness of the eye and do a subsequent keratoplasty (corneal transplantation). Otherwise, even a cornea replacement proves to be futile," he explains.

Shristi (9), who lost her vision due to an overdose of sulpha drugs, Jagdish Kaur, a victim of a failed cataract surgery, and Derrick D'souza, who was fast loosing his vision to herpetic corneal viral infection, are some of those who were successfully treated at the AFMC.

Colonel R.P. Gupta, head of the eye department at the AFMC, told *Times News Network* the regeneration of corneal stem cells is initiated with the help of existing corneal stem cells that reside in a protected area adjacent to the cornea.

He said limbal stem cells are important to keep the eye wet since mucous producing cells get destroyed and stem cells help in alleviating pain caused by this.

Lt Col J.K.S. Parihar said, "The success rate of limbal stem cell transplant is 70 per cent. Post operative care is very important till a year. These conditions are generally associated with lid deformities corrected by an oculoplastic surgeon."

Efforts are on to better the success rate and more research is currently on, Lt Col. A.P. Kamath, a specialist in ocuplasty surgery added.

Pune Times OF INDIA

Vol. I, Issue No. 278
NOVEMBER 17, 2000

13

AFMC IN THE EYE OF SOCIAL HEALTH MOVEMENT

VIMALBAI, 40, is ecstatic. She has got her vision back. Blinded at the age of ten, her life was spent in utter darkness. Although her father somehow succeeded in getting her married, her husband sent her back the day after the wedding. Since then, she lived with her younger sister, always dependent on another person to help her even in her basic activities. Three months ago, her sister's husband Madhukar Patil brought her to the opthalmology department at the Armed Forces Medical Department, where a corneal transplant restored her sight.

This is just one of many cases at this department, where their outreach programme has benefited not just defence personnel, but many civilians as well. It started with regular cataract surgeries and intra-ocular lens (IOL) transplants, and now with more modern technology and expertise, has reached other vitro-retinal diseases as well.

Giving an impetus to this programme is Lt General M A Tutakne, commandant AFMC, who avers, "The AFMC, ever since its inception has been synonymous with quality medical care. The opthalmology department has been known over the years for its sense of commitment to society. It has developed as an important branch of social medicine with the aim of preventing and controlling blindness."

Continues Colonel P K Sahoo, head of department, "Diagnostic camps are held every month by the eye department with the help of various NGOs. Patients are screened and grouped into those requiring spectacles and those needing surgery. They are operated at the Cantonment General Hospital. Spectacles and medicines are dispensed fee of cost."

Lt Colonel JKS Parihar and Lt Colonel AP Kamath stress the fact that, "Various methods of cataract extraction are performed by this institution, most notable being the 'sutureless' cataract surgery, a procedure involving the removal of the cataract using ultrasonic phacoemulsifier and followed by implantation of foldable intraocular lens. All cataract surgeries performed at this hospital are accompanied by placement of an artificial lens, thereby avoiding the use of the 'soda glasses' of yesteryears."

With the coming of more modern machinery and the expertise provided by Col. Sahoo, the hospital has also stepped up its treatment of vitroretinal diseases, which need ultra-proficiency and know-how. An excellent surgical team is now making extensive use of ultra-sound machines and lasers to treat patients in every walk of life. The AFMC centre also has a team for plastic surgery of the eye for squints, injuries in road accidents and cosmetic corrections.

People of all strata of society can avail of the services of the AFMC's opthalmology department

S B Aley a young jawan suffered terrible chemical burns to both eyes when acid from a battery splattered onto his face. Both corneas became opaque and there was conjunctival scarring. His tear ducts were affected and his eyes became dry. Modern surgery such as Limbal Stem Cell Transplant has made his cornea clear and made the tear ducts functional again. Not only that, in another few months, he will able to return to his regiment with 100 per cent vision and no visible scarring either. Even a few years ago, such a case would have resulted in permanent blindness.

Say the doctors at AFMC, "Technological marvels such as lasers have contributed immensely. Nowhere is the use of lasers more ubiquitous than in the field of opthalmology. In general, however, these newer modalities of treatment have been out of reach of the poor. But at AFMC, lasers are routinely used for the treatment of glaucoma, after cataract, and in retinal diseases such as diabetic retinopathy. Every week 40-50 patients of all socio-economic strata are given free treatment. Thus, even the rural poor have access to these exceedingly expensive treatments at the hands of qualified surgeons."

Another important aspect of the AFMC is their Eye Bank which is the only recognised eye bank of the armed forces. The Indian Eye Bank Association has graded it as a Class A. Although it was established 20 years ago, it is only for the last four years that it has been functioning actively. The bank procures, processes, preserves and provides donor corneas, not only to soldiers and their dependants but to civilians as well. A transplant team is on stand-by 24 hours of the day and the bank is manned round the clock. Persons pledging to donate their eyes or wishing to avail of their facilities can contact them at 6306041.

— Mita Banerjee

पिछले 22 साल से प्रकाशित पुणे का एकमात्र हिन्दी दैनिक

आज का आनंद

RNI NO.-32038/79
Regd. No. PR/RNP/PNW/D/5/2001 आज का आनंद बिल्डिंग, शिवाजीनगर, पुणे-5 (फोन : 5534888 / 5533224)

आज का आनंद NO.1 हिन्दी दैनिक

वर्ष : 23 अंक : 160 बुधवार, 29 अगस्त 2001 पृष्ठ : 8 (मूल्य 1 रु. 50 पैसे)

एयरचीफ मार्शल टिपणीस ने ए.एफ.एम. सी. को सराहा

आनंद प्रतिनिधि
पुणे, 28 अगस्त

वायुसेना अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल ए.वाई.टिपणीस ने ए. एफ. एम. सी. (सशस्त्र बल चिकित्सा महाविद्यालय) पुणे के आई बैंक (नेत्र विभाग) द्वारा किए जानेवाले उल्लेखनीय कार्यों एवं ए.एफ.एम.सी. की महत्वपूर्ण उपलब्धियों के लिए यहाँ के कमांडेंट ले.ज.एम.ए. टुटाकने एवं नेत्र विभाग के चिकित्सा अधिकारियों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की है।

उल्लेखनीय है कि इंडिया टु-डे के रेटिंग सर्वेक्षण जुलाई-2001 के अंतर्गत आर्म्ड फोर्सेस मेडिकल कॉलेज, ए. एफ. एम.सी. सशस्त्र बल चिकित्सा महाविद्यालय) पुणे को पूरे भारत में उत्कृष्ट चिकित्सा सेवा क्षेत्र में कार्य करने के लिए दूसरा स्थान दिया गया है।

एयर चीफ मार्शल ए.वाई.टिपणीस ने ए.एफ.एम.सी.के नेत्र विभाग का विशेष रूप से गहन निरीक्षण किया। जहाँ उन्हें नेत्र विभाग के प्रमुख चिकित्सा अधिकारियों में कर्नल शाह (विभागाध्यक्ष) ले.कर्नल जे.के.एस. परिहार, ले.क.रोड्रिज और मेजर संजय मिश्रा' ने नेत्र विभाग द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारियां दीं।

एयर चीफ मार्शल ने यहाँ पर नेत्र चिकित्सा करा रहे उन नेत्र रोगियों से विशेष रूप से बातचीत की जो विभाग के नेत्र बैंक द्वारा किए जानेवाले नेत्र प्रत्यारोपण के लिए यहाँ आए हुए थे। उन्होंने नेत्र विभाग द्वारा किए जा रहें कार्यों पर संतुष्टि व्यक्त की। कमांडेंट ले.जे. टुटाकने और उनके दल को कार्यों के प्रति समर्पण पूर्ण के लिए बधाई दीं। उन्होंने इस महाविद्यालय के लिए किए जा रहे आधुनिकीकरण की जानकारियां हासिल कीं। यहाँ पर भूकंप पीड़ितों की जो चिकित्सा सेवाएं की गईं उसकी भी। सराहना की।

इस अवसर पर ए.एफ.एम.सी के संकायाध्यक्ष ब्रिगेडियर जे.के. सेठी भी उपस्थित थे।

वायु सेनाध्यक्ष एयर चीफ मार्शल ए.वाई.टिपणीस ए.एफ.एम.सी. के नेत्र विभाग में नेत्र रोगियों से बातचीत करते हुए, उनके साथ हैं, यहाँ के कमांडेंट ले.ज.एम.ए. टुटाकने व नेत्र चिकित्साधिकारी ले.कर्नल. जे. के. एस. परिहार।

सामना

पुणे, शुक्रवार, दि. २४ ऑगस्ट २००१ - पान ३

हवाईदलप्रमुख टिपणीस यांची लष्करी महाविद्यालयाला भेट

पुणे, दि. २३ (प्रतिनिधी) - हिंदुस्थानच्या हवाईदलाचे प्रमुख एअर चिफ मार्शल अनिल टिपणीस यांनी आज लष्कराच्या वैद्यकीय महाविद्यालयाला भेट दिली.

या वेळी महाविद्यालयात सुरू असलेल्या आरोग्य सुविधांबाबत कमांडंट लेफ्टनंट जनरल एम. ए. तुतकाने यांनी टिपणीस यांना माहिती दिली. भूकंपग्रस्त भागात (भूज) या महाविद्यालयाच्या नेत्रपेढी आणि रक्तपेढीने उत्कृष्ट कार्य बजावले, तसेच महाविद्यालयाच्या वैद्यकीय पथकानेही उपयोगी कामगिरी केली. याबाबत हवाईदलप्रमुखांनी गौरवोद्गार काढले, तसेच टिपणीस यांनी क्रमांक ९ बेस रिपेअर डेपोला भेट दिली. या वेळी एअर कमांडर के. सी. जयरामन यांनी डेपोत चालू असलेल्या कामाची टिपणीस यांना माहिती दिली.

6 • शुक्रवार, 24 अगस्त 2001 • आज का आनंद, पुणे

एयर चीफ मार्शल ए.वाई. टिपणीस ए.एफ.एम.सी. में पधारे। उन्होंने यहां चल रहे संशोधन कार्य का निरीक्षण किया। अपने दौरे में श्री टिपणीस ने ए.एफ.एम.सी. के ब्लड बैंक, आई बैंक व अन्य विभागों को भी देखा। इससे पूर्व वे 9 बी आर डी में भी गए। जहां उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं की दुरुस्ती का कार्य भी देखा। चित्र में श्री टिपणीस रिपेयरिंग कार्य को देखते हुए नजर आ रहे हैं। इस अवसर पर एयर कमोडोर के.सी. जयरामन भी उपस्थित थे।

Chief of Air Staff visits AFMC Pune :

Air Chief Marshal A Y Tipnis visited AFMC on 23 Aug 2001 &

Highly Appreciated Functioning various depts. Including Eye Banking activities led by Lt Col JKS Parihar

MAHARASHTRA HERALD

/D/37/2000 LWP Licence No L-101 SATURDAY, FEBRUARY 16, 2002 Vol. XXXI

Air Officer Commanding, TRG COMD visits AFMC

Air Marshal TJ Master, visited the prestigious Armed Forces Medical College (AFMC) Pune on February 15. Air Marshal SK DHAM, AVSM, VSM, Commandant of the AFMC cordially received him and briefed him about the various achievements of the college.

The Air Officer Commanding visited the Cochlear Implant Unit, Eye Bank, PSM Museum and Dept of Medical Informatics. PSM Museum is the largest in Asia and Dept of Medical Informatics is the largest in India. Col RP Gupta Prof and Head of Eye Dept received him at the Eye Bank. Air Marshal TJ Master also interacted with some patients. He was apprised about the latest breakthrough in the field of medical research. Limbal

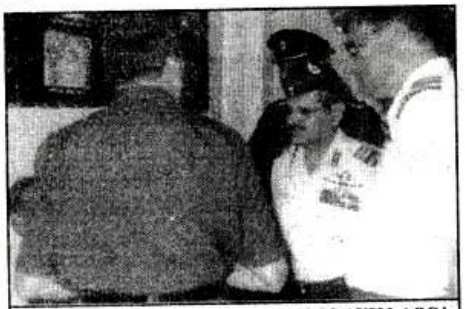

In the center Air Marshal TJ Master, PVSM, AVSM, AOC in C, Trg Comd is seen in the photograph taken at the Eye Bank.

at the center. He congratulated Air Marshal SK DHAM, AVSM, VSM for achieving several milestone in the field of medical teaching and clinical practice and expressed

fact that AFMC has secured the second best medical college rating in India and high 'A' grade rating award to Eye Bank he also appreciated the advanced medical care given by the institute.

Air Marshal TJ Master,PVSM,AVSM, Air Officer Commanding in Chief (Trg Command) Visited Eye Bank ,AFMC Pune on 15 Feb 2002

आज का आनंद

● मंगलवार , 12 मार्च 2002 ● आज का आनंद, पुणे

क्यू.एम.जी. ले. ज. कृष्णनपाल ने एएफएससी का दौरा किया। उन्होंने नेत्र विभाग, नेत्र बैंक, लिंबल स्टेम सेल ट्रान्सप्लेंटेशन सेंटर, माइक्रोबायोलाजी विभाग सहित विविध वार्डों में जाकर उपचार पद्धति को भी देखा। चित्र में आई बैंक में कमांडेंट एयर मार्शल एस.के. धाम व अन्य नेत्र मरीजों से जानकारी लेते हुए ले.ज. पाल दिखाई दे रहे हैं।

The Indian EXPRESS

BECAUSE THE TRUTH INVOLVES US ALL

TUESDAY ■ MARCH 12, 2002

QMG visit to AFMC

Lt Gen Krishan Pal, QMG, visited the Armed Forces Medical College (AFMC) on Monday. He was received by Air Marshal S K Dham Commandant AFMC. During his visit, the QMG commended the cochlear implant team for their pioneering work.

He was also taken around the PSM museum and the Department of Medical Informatics. He also visited the eye bank of the Department of Ophthalmology where he interacted with patients. He was apprised of the latest developments in the field of medical research.

MAHARASHTRA
HERALD
/37/2000 LWP Licence No L-101 TUESDAY, MARCH 12, 2002 Vol. XXXI

Lt Gen Krishnan Pal visits AFMC

Lt Gen Krishnan Pal, visited the prestigious Armed Forces Medical College (AFMC) on March 11. Air Marshal, S K Dham, Commandant AFMC welcomed him and briefed him about the various achievements of the college.

He visited the Cochlear Implant Unit, Eye Bank, PSM Museum, Dept of Transfusion Medicine, Dept of Dental Surgery, Dept of Microbiology and Dept of Medical Informatics. He commended the Cochlear Implant team for their pioneering work. he

(L to R) Lt Gen J K S Parihar (Reader, Eye Dept, AFMC), is seen examining the patient at AFM. Lt Gen Krishnan Pal, Air Marshal S K Dham, Col R P Gupta (HOD Eye Department AFMC)

visited PSM Museum, which is the largest in Asia and the Dept of Medical Informatics which is the largest in India.

He appreciated the work done by the Eye Banking team in restoring eyesight of blind persons and in spreading message of eye donation.

He reviewed the ongoing medical projects of the college and congratulated Air Marshal S K Dham for the achievements of the college in the field of Medical Research and teaching and lauded the high standards of medical care being provided by the college to patients.

नव भारत
आंचलिक
मुंबई, गुरुवार १२ अप्रैल २००१

रानडे नेत्र विशेषज्ञ संगठन के अध्यक्ष बने

पुणे, 11 अप्रैल सं.

पुणे नेत्र विशेषज्ञ संगठन के अध्यक्ष पद पर डॉ. श्रीकांत रानडे का चयन किया गया है. डॉ. रानडे जिला नेत्र शल्य चिकित्सक हैं तथा पुणे जिले में अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत मोतियाबंद के 30 हजार से अधिक मरीजों का आपरेशन किया है. संगठन के उपाध्यक्ष के रूप में डॉ. निर्मला सपोतदार का चयन किया गया है. कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारी इस प्रकार हैं-सचिव डॉ. मोहन जोशी, डॉ. प्रकाश मराठे, कोषाध्यक्ष नीलिमा बेके, सदस्य डॉ. मुकुंद कचूर, डॉ. संजय टेकावडे, डॉ. विवेक कानडे, डॉ. माधवी मेहंदले, डॉ. परिहार, डॉ. कुंभारे, डॉ. संजय सावरकर आदि नेत्र चिकित्सक शामिल हैं.

Prevention & control of blindness (Community Ophthalmic activities)

Modern Phacoemulsification cataract surgery Eye Camps in Western Maharashtra

PUNE HERALD
PUNE, THURSDAY, SEPTEMBER 28 2002

Free eye camp

Backward areas are more in need of medical assistance, said Nandini Tiwari, wife of Lt Gen V D Tiwari, Commandant, Armed forces Medical College, Pune.

Ms Nandini tiwari, wife of Lt Gen V D Tiwari, Commandant, AFMC, addressing a gathering after inaugurating the eye camp at Vella recently.

She was addressing a gathering after inaugurating a mega diagnostic eye camp organised by the Eye Department, AFMC Pune jointly with Trishakti Foundation and Indira Institute of Management at Vella (Narsapur) recently.

Ms Tiwari appreciated the efforts of the organisers and the staff of the Eye Department in extending such services to the underprivileged. She stressed on he need for more participation by the younger doctors qualified in modern technologies.

As many as 700 patients were examined during the camp. A team of Ophthalmologists lead by Col R P Gupta, Professor and Head, department of Ophthalmology, AFMC, Lt Col F E A Rodrigues and Lt Col J K S Parihar conducted the eye examinations. The patients were examined for common eye disorders and refractive errors. drugs for the common diseases were given to the patients on the spot. Patients having diseases like cataract and glaucoma, which require surgical treatment were screened out. All relevant investigations like blood, sugar, haemoglobin, urine and ECG were carried out on the spot by the medical team. Investigations like keratometry and IOL power calculation using A-Scan for cataract patients were also carried out. The patients screened out for surgery will be operated during a surgical camp to be held later during the month. Dr Rajendra Jagadale, a noted environmental scientist was also present on the occasion.

आज का आनंद
● गुरुवार 26 सितंबर 2002 ●

एएफएमसी द्वारा वेल्हा में नेत्र शिविर 700 को लाभ

पुणे, 25 सितंबर (आप्र)- एएफएमसी के नेत्र विभाग द्वारा भोर तहसील के वेल्हा (नसरापुर) में आयोजित मुफ्त नेत्रचिकित्सा शिविर का 700 लोगों ने लाभ लिया।

शिविर का उद्घाटन एएफएमसी कमांडेंट ले.जन. वी.डी. तिवारी की पत्नी श्रीमती नंदिनी तिवारी के हाथों किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण विशेषज्ञ डा. राजेंद्र जगदाले उपस्थित थे। कर्नल आर.पी. गुप्ता, ले.कर्नल एफ.ई.ए. राड्रिग्ज, ले. कर्नल जे.के.एस. परिहार ने मरीजों की जांच की।

The Indian EXPRESS
BECAUSE THE TRUTH INVOLVES US ALL
PUNE ■ THURSDAY ■ SEPTEMBER 26, 2002

Eye check-up camp held

■ A mega-diagnostic eye check-up camp was organised by the eye department of the Armed Forces Medical College with the support of Trishakti Foundation and Indira Institute of Management at Nasrapur. Nandini Tiwari, wife of Lt Gen V D Tiwari, Commandant, AFMC inaugurated the camp where a total of 700 patients were examined for common eye disorders and refractive errors. Col R P Gupta, head, Department of Ophthalmology, Lt Col F E A Rodrigues and Lt Col J K S Parihar conducted the examination.

MAHARASHTRA HERALD
ESTABLISHED, IN 1963
NE/D/37/2000LWP Licence No L-101 PUNE, THURSDAY, SEPTEMBER 12, 2002 Vol, XXXIX No.

AFMC, Lions' Club give 'vision'

MH News Service

More and more younger doctors who are qualified in latest modern technologies should extend their services to rural areas said Nandini Tiwari, wife of Lt Gen V D Tiwari, Commandant of AFMC.

She was addressing a gathering after inaugurating a diagnostic eye camp, organised by the Eye Department, AFMC Pune and Lion's Club Pune Sarasbaug at Shivajinagar recently.

Nandini Tiwari, wife of Lt General V D Tiwari, Commandent, AFMC, inaugurating the eye camp.

She also highlighted the importance of these camps in fulfilling the World Health Organisation's goal of Vision by 2020 in eradicating blindness.

A total of 1100 patients were examined during the camp for common eye disorders and refractive errors. Drugs to common diseases were given to patients on the spot. A total of 50 patients of cataract were identified during the camp.

A team of ophthalmologists led by Col R P Gupta, Professor and Head, department of Ophthalmology, AFMC, Lt Col F E A Rodrigues and Lt Col J K S Parihar conducted the eye examinations.

Sujata Shah, President, Lion's Club, Pune-Sarasbaug was in attendance.

आज का आनंद
दै: आज का आनंद ● गुरुवार 12 सितंबर 2002

एएफएमसी के नेत्र शिविर से 1100 लोगों को लाभ मिला

आनंद प्रतिनिधि
पुणे, 11 सितंबर

एएफएमसी के नेत्र विभाग व लायन्स क्लब आफ सारसबाग द्वारा संयुक्त रूप से शिवाजीनगर परिसर में आयोजित नेत्र चिकित्सा शिविर से 1100 मरीजों ने लाभ उठाया। शिविर का उद्घाटन श्रीमती नंदिनी तिवारी के हाथों किया गया। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्षा सौ. सुजाता शाह मुख्य रूप से उपस्थित थीं।

श्रीमती तिवारी ने कहा कि "ऐसे शिविरों का आयोजन अधिक से अधिक संख्या में होना चाहिए। तब ही हम 'विजन 2020' का लक्ष्य प्राप्त कर सकेंगे। शिविर में डॉ. कर्नल आर.पी. गुप्ता, ले. कर्नल ए.पी. कामत, ले. कर्नल रॉड्रिग्स, ले. कर्नल जे.के.एस. परिहार ने मरीजों की जांच की। नेत्र चिकित्सा के साथ ही ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन, यूरीन, इसीजी आदि टेस्टस् भी किए गए। शिविर में मोतियाबिंद के 50 केसों को पहचाना गया। उन पर अगले माह शल्यक्रिया की जाएगी।

MAHARASHTRA HERALD PUNE, WEDNESDAY, JULY 31, 2002
MAHARASHTRA HERALD
FIRST WITH NEWS FOR 39 YEARS
WEDNESDAY, JULY31, 2002

Health check-up camp by AFMC

The medical fraternity of AFMC carried out a health camp for the populace at Naval Base, Lonavala on Monday. The camp was inaugurated by Dr (Mrs) Santosh Kumari Dham, wife of the Commandant AFMC Air Marshall SK Dham. Senior eminent specialists in gynaecology, ENT, eye surgery, medicine and dental from the AFMC along

Dr (Mrs) Santosh Kumari Dham seen inaugurating the health camp at INS Shivaji, Lonavala.

with specialists from the Naval Hospital Kasturi took part in the camp. The function was presided over by Minu Prabhakar, President Naval Wives Welfare Association, the first lady of INS. Stress was laid on detection of cancer in females, eye examination and common killer diseases like IHD, hypertension and other diseases in the serving and civilian personnel of the Naval Base. Cases screened for eye operation and needing further treatment will be operated upon at AFMC. More than 450 patients took benefit of the camp. Surgeon Commander C B Chikkanna, Commanding Officer Naval Hospital, Lonavala proposed a vote of thanks.

The Indian **EXPRESS**
BECAUSE THE TRUTH INVOLVES US ALL
PUNE ■ FRIDAY ■ AUGUST 2, 2002

Health check-up camp at INS Shivaji

■ A HEALTH check-up camp was conducted by the Armed Forces Medical College at the INS Shivaji, Lonavla. The camp was inaugurated by Dr Santosh Kumari Dham, wife of AFMC Commandant Air Marshal S J Dham. Over 450 patients attended the camp and were examined for common ailments including hypertension and others. Surgeon Commander C B Chikkanna, Commanding Officer, Naval Hospital gave a vote of thanks.

आज का आनंद
बुधवार, 31 जुलाई 2002 ● आज का आनंद, पुणे

आई.एन.एस.शिवाजी लोनावला में मुफ्त स्वास्थ्य शिविर संपन्न

पुणे, 30 जुलाई (आप्र)

ए.एफ.एम.सी. द्वारा आई.एन.एस. शिवाजी लोनावला में आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर में कुल 450 लोगों की जांच की गई।

शिविर का उद्घाटन डॉ. श्रीमती संतोष कुमारी धाम के हाथों किया गया। इस अवसर पर एएफएमसी के गायनाकॉलाजी, इएनटी, नेत्र विभाग, डेंटल विभाग के विशेषज्ञों ने मरीजों की जांच की।

इस कार्य में नेवल हॉस्पिटल कस्तूरी के डॉक्टरों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर नेवल वाइव्ज वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्षा श्रीमती मीनू प्रभाकर भी उपस्थित थीं।

MAHARASHTRA
HERALD
FIRST WITH NEWS FOR 39 YEARS
TUESDAY, APRIL 23, 2002

AFMC's visionary march to eradicate blindness

A free eye camp for cataract patients was conducted by the Eye Department, AFMC, at Cantonment General Hospital. 50 cases of cataract were operated free of cost. The camp was sponsored by the Lions Club of Pune Dattawadi. The patients were operated using the latest techniques of phacoemulsification and IOL implantation. The team of doctors led by Col R P Gupta, Professor and Head, Lt Col A P Kamath, Lt Col FEA Rodriques and Lt Col JKS Parihar performed the surgeries. These patients were selected during the diagnostic eye camps held earlier. The camp was successful in restoring eyesight of the patients using the best available diagnostic and surgical techniques.

A drug distribution ceremony and postoperative check-up of patients was held at civil eye OPD, which was inaugurated by Nandini Tiwari, wife of Maj Gen V D Tiwari, Dean AFMC. She distributed free medicines to the patients operated during the camp. She appreciated the efforts undertaken by the social organisations and the eye department to alleviate blindness. She also stressed the importance of eye donation and the role it has to play in our society in eradicating blindness.

The Indian EXPRESS
BECAUSE THE TRUTH INVOLVES US ALL
TUESDAY ■ APRIL 23, 2002

Eye surgery camp held

■ A FREE eye surgery camp for cataract patients was conducted by the Eye Department of the Armed Forces Medical College at Cantonment General Hospital. Fifty cases of cataract were operated free of cost. The camp was sponsored by the Lions Club of Pune Dattawadi. The team of doctors led by Col R P Gupta performed the surgeries using the latest techniques of phacoemulsification and IOL implantation.

लोकसत्ता
पुणे: मंगळवार, २३ एप्रिल २००२

मोफत नेत्र शिबिर

पुणे, २२ एप्रिल (लो.प्र.)

लष्करी वैद्यकीय महाविद्यालयातर्फे मोफत नेत्र शिबिराचे आजोजन करण्यात आले होते. त्यात मोतिबिंदूच्या पन्नास शस्त्रक्रिया करण्यात आल्या.

दत्तवाडीच्या लायन्स क्लबने हे शिबिर प्रायोजित केले होते. ■

पिछले 23 साल से प्रकाशित पुणे का एकमात्र हिन्दी दैनिक
आज का आनंद
RNI NO.-32038/79
Regd. No. PR/RNP/PNW/D/5/2001
आज का आनंद बिल्डिंग, शिवाजीनगर, पुणे-5 (फोन : 5534888 / 5533224)
आज का आनंद पुणे का No.1 हिन्दी दैनिक
मंगलवार, 2 अप्रैल 2002

लायंस क्लब ऑफ पुणे आनंद के स्वास्थ्य शिविरों से डेढ़ हजार लोगों ने लाभ उठाया

पुणे, 1 अप्रैल (आ.प्र.)

लायन्स क्लब ऑफ पुणे आनंद द्वारा ए.एल.एम.सी. के सहयोग से नांदूर (दौंड) में आयोजित मुफ्त स्वास्थ्य चिकित्सा नेत्रचिकित्सा-स्त्री व बाल रोग चिकित्सा शिविर में 1500 लोगों ने लाभ उठाया। नांदूर की प्राथमिकशाला में आयोजित स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन श्री के.डी. कांचन के और मुफ्त नेत्र चिकित्सा शिविर का उद्घाटन डॉ. संतोषकुमारी धाम के हाथों तथा स्त्रीरोग शिविर का उद्घाटन विधायक श्रीमती रंजना कुल व बालरोग शिविर का उद्घाटन ला. द्वारका जालान के हाथों किया गया।

इस अवसर पर ला. शरदचंद्र पाटणकर, ला. कांतीलाल संचेती उपस्थित थे। उद्घाटन करते हुए एयर मार्शल कमांडेंट श्री सुधीर कुमार की पत्नी डॉ.संतोषकुमारी धाम ने कहा कि, ए.एफ.एम.सी. हमेशा सेवाभावी उपक्रमों को सहयोग देता आया है।

श्री के. डी. कांचन ने कहा कि मुफ्त स्त्री रोग चिकित्सा शिविर से ग्रामीण भागों में महिलाओं के लिए सुनहरा अवसर मिल गया है। विधायक श्रीमती रंजना कुल ने ऐसे शिविरों को लगातार आयोजित करने पर बल दिया। शिविर में पचास लोगों की मोतियाबिंदु आपरेशन हेतु तैयारी की गई। ला. प्रेसीडेंट कांतिलाल संचेती के साथ ही ला. गौतम बोरा, ला. अभय संचेती, ला. लक्ष्मीकांत खाबिया, ला. विनोद डुंगरवाल ने विशेष परिश्रम लिए। शिविर में डॉ. कैलाश पारख, डॉ. एन. महेशकुमार, ला. डॉ. दिनेश वाघोलीकर सहित 30 विशेषज्ञों ने जांच की। मुफ्त नेत्र चिकित्सा शिविर में कर्नल आर.पी. गुप्ता, ले. कर्नल ए.पी. कामत, ले. कर्नल जे.के.एस. परिहार ने एक हजार नेत्ररोगियों की जांच की। सभी मोतिया बिंदु के मरीजों की शल्यक्रिया कैन्टोन्मेंट जनरल हॉस्पिटल में की जाएगी।

लायन्स क्लब ऑफ पुणे आनंद व ए.एफ.एम.सी. के द्वारा संयुक्त रूप से नांदूर (दौंड) में आयोजित मुफ्त नेत्र चिकित्सा शिविर का उद्घाटन डॉ. संतोषकुमारी धाम के हाथों किया गया। इस अवसर पर एएफएमसी के कमांडेंट एयरमार्शल एस.के. धाम, विधायक श्रीमती रंजना ताई कुल आदि उपस्थित थे।

MAHARASHTRA
HERALD
FIRST WITH NEWS FOR 39 YEARS
WEDNESDAY, APRIL 3, 2002

Health check-up and eye camp

A free health check-up and eye camp was organised by the Armed Forces Medical College in association with Lions Club of Pune Anand and other voluntary organisations on Sunday at Nandur, Daund. The

Dr Santosh Kumari Dham, wife of the Commandant, AFMC, Air Marshal S K Dham seen inaugurating the eye check-up and health camp.

camp was inaugurated by Dr Santosh Kumari Dham, wife of the Commandant, AFMC, Air Marshal S K Dham. A team of AFMC doctors, led by Col R P Gupta, Professor and Head, Department of Ophthalmology, Lt Col A P Kamath and Lt Col JKS Parihar carried the eye check-up. About 1000 patients took benefit of the camp. A total of 50 cataract cases were screened for surgical treatment of cataract and glaucoma. Advanced techniques like keratometry and IOL power ejaculation by A-scan were also carried out on the spot. All the patients screened for surgery will be operated at Cantonment General Hospital at the free surgical camp to be held later.

THE TIMES OF INDIA
VOL. III. NO. 78

Eye camp at Nandur

A free health check-up and eye camp was jointly organised by the Armed Forces Medical College (AFMC), Lions Club of Pune Anand and some other voluntary organisations at Nandur in Daund taluka on March 31.

Dr Santosh Kumari Dham, wife of AFMC commandant Air Marshal S.K. Dham, inaugurated the camp. The medical team comprised Col. R.P. Gupta, head of ophthalmology department, Lt. Col. A.P. Kamath and Lt. Col. J.K.S. Parihar. Around 1,000 patients were examined and 50 cases of cataract were screened out for surgical treatment. These patients will be operated subsequently at the cantonment hospital.

लायंस क्लब और एएफएमसी द्वारा पचास लोगों का मोतिया बिंद आपरेशन

पुणे, 16 अक्टूबर (आ.प्र.)

लायन्स क्लब दत्तवाडी और ए.एफ. एम.सी. के नेत्र विभाग के सहयोग से पचास लोगों का आधुनिक चिकित्सा पद्धति से मोतियाबिंद का मुफ्त आपरेशन किया गया। इस दौरान नेत्र विशेषज्ञ कर्नल जे. के. एस. परिहार ने दो लोगों का नेत्र प्रत्यारोपण करके उनके जीवन में नई रौशनी भर दी। जिन पचास लोगों का मोतियाबिंद का आपरेशन किया गया। उनकी आंखों में चश्मे की जगह लैंस रोपित किया गया है। इस अवसर पर ए.एफ.एम.सी. के डीन और चर्म एवं कुष्ठ रोग के विशेषज्ञ मेजर जनरल वी.डी. तिवारी द्वारा नि:शुल्क दवाएं मरीजों को दी गईं। इन आपरेशनों में भाग लेने वाले चिकित्सकों में मेजर संजय मिश्रा, कर्नल कामत, कर्नल रोड्रिक्स एवं अन्य चिकित्सक शामिल थे।

Daily Aaj Ka Anand
Pune , 17 Oct 2001

आज का आनंद
आज का आनंद बिल्डिंग, शिवाजीनगर, पुणे-5 (फोन : 5534888 / 5533224)
रविवार, 25 नवंबर 2001 वर्ष : 23 अंक : 246

एएफएमसी के मुफ्त नेत्रचिकित्सा शिविर का 800 लोगों ने लाभ लिया

आनंद प्रतिनिधि
पुणे, 24 नवम्बर

राष्ट्रीय अंधत्व निर्मूलन अभियान के अंतर्गत एएफएमसी के नेत्र विभाग, लायन्स क्लब एवम् अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित मुफ्त नेत्र चिकित्सा शिविर में 800 गरीब एवम् जरूरतमंद मरीजों ने लाभ लिया। इस अवसर पर 50 मरीजों के मोतियाबिंद के आपरेशन्स कर उन्हें मुफ्त चश्मे एवम् औषधि भी वितरित की गई।

शिविर में कमांड हॉस्पिटल के डिप्टी कमांडेंट ब्रि. त्रियुगी राय जो एक दिसम्बर से कमांड हॉस्पिटल के कमांडेंट का कार्यभार संभालने वाले हैं के हाथों मरीजों को औषधि वितरित की गई। इस अवसर पर एएफएमसी के नेत्र विभाग प्रमुख कर्नल पी. के. साहू, ले. कर्नल ए.पी. कामत, ले. कर्नल रॉड्रिग्ज, ले. कर्नल जे.के.एस. परिहार आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

पिछले 22 साल से प्रकाशित पुणे का एकमात्र हिन्दी दैनिक

आज का आनंद

RNI NO. 32038/79
Regd. No. PR/RNP/PNW/D/5/2001

आज का आनंद बिल्डिंग, शिवाजीनगर, पुणे-5 (फोन : 5534888 / 5533224)

आज का आनंद पुणे का No.1 हिन्दी दैनिक

वर्ष : 23 अंक : 203 शुक्रवार, 12 अक्टूबर 2001 पृष्ठ : 8 (मूल्य 1 रु. 50 पैसे)

एएफएमसी के नेत्र विभाग व लायन्स क्लब ऑफ पुणे दत्तवाडी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित मुफ्त नेत्रचिकित्सा शिविर में एएफएमसी के डीन व डिप्टी कमांडेंट मेजर जनरल वी.डी.तिवारी मरीजों को औषधियां वितरित करते हुए चित्र में नजर आ रहे हैं।

ए. एफ. एम. सी. में मुफ्त नेत्र चिकित्सा शिविर संपन्न

आनंद प्रतिनिधि
पुणे, 11 अक्टूबर

ए. एफ. एम. सी. के नेत्र विभाग व लायन्स क्लब ऑफ पुणे दत्तवाडी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित मुफ्त नेत्र चिकित्सा शिविर में 50 गरीब व जरूरतमंद मरीजों ने लाभ उठाया।

आवश्यकतानुसार पुणे कैन्टोन्मेंट हॉस्पिटल में मोतियाबिंद के आपरेशन आधुनिक तकनीक द्वारा ए.एफ.एम.सी. के कर्नल पी.के.साहू, कर्नल ए.पी.कामठ, ले.कर्नल रॉड्रीग्ज व ले.कर्नल परिहार जैसे चिकित्सा अधिकारियों ने किए।

उसके पश्चात मरीजों को ए. एफ. एम. सी. के डीन और डिप्टी कमांडेंट मेजर जनरल वी.डी. तिवारी के हाथों मुफ्त चश्मे व औषधियां भी वितरित किए गए।

MAHARASHTRA
HERALD

Regd No PR/RNP/PNE/D/37/2000 LWP Licence No L-101 FRIDAY, OCTOBER 12, 2001 Vol. XXXIX No.21 Pages: 8 Price Re 1.00

Maj Gen V D Tiwari,Dean and Deputy Commandant,AFMC distributing medicines to poor patients whose eyes were operated during a free diagnostic and surgical camp conducted by the eye-dept of AFMC at Pune Cantonment Hospital.

ESTABLISHED 1838

THE TIMES OF INDIA

VOL. II. NO. 144

FRIDAY, JUNE 22, 2001

AFMC team conducts eye check-up

■ THE eye department of the Armed Forces Medical College (AFMC) here conducted a free eye camp for the villagers of Kharabwadi, near Chakan. Approximately 800 people were screened for cataract and about 50 people were operated upon free of cost with the use of the latest technique of phaco-emulsifiation with intra-ocular lens implantation.

The eye department has taken initiative in conducting free eye camps as a part of the national blindness eradication programme with the help of voluntary agencies.

Free drug distribution was done by Major General P R S Rathore, commandant of the Command Hospital.

The AFMC team was led by Colonel P K Sahoo along with Lieutenant Colonel A P Kamath, Lieutenant Colonel F Rodrigues and Lieutenant Colonel J K S Parihar.

The Indian EXPRESS

BECAUSE THE TRUTH INVOLVES US ALL

THURSDAY ■ JUNE 21, 2001

AFMC eye camp

■ THE eye department of the Armed Force Medical College (AFMC) held an eye camp for the residents of Chakan village on Wednesday. Nearly 800 people were examined and screened for cataract. Of these 50 villagers were diagnosed with cataract and were subsequently operated upon by the army doctors.

The AFMC's eye department has decided to hold similar eye camps as a part of national blindness eradication programme.. This will be implemented with the help of other agencies like the Lion's club and other NGOs said an official release. Following the surgeries drugs were distributed free of cost by the authorities

पिछले 22 साल से प्रकाशित पुणे का एकमात्र हिंदी दैनिक

आज का आनंद

आज का आनंद बिल्डिंग, शिवाजीनगर, पुणे-5

(फोन : 5534888 / 5533224)

मंगलवार, 24 अप्रैल 2001

एएफएमसी के नेत्र विभाग द्वारा आयोजित मुफ्त नेत्र चिकित्सा शिविर में मेजर जनरल बी.वी. तिलक मरीजों को औषधियां वितरित करते हुए। इस अवसर पर ले. कर्नल जे. के. एस. परिहार आदि भी उपस्थित थे।

एएफएमसी के नेत्र शिविर से पांच सौ मरीजों को लाभ

पुणे, 23 अप्रैल (आप)- ए. एफ. एम. सी. के नेत्र विभाग द्वारा आयोजित मुफ्त नेत्र चिकित्सा शिविर में 500 रोगियों ने भाग लिया। उनमें से 55 मरीजों की नेत्र शल्यक्रिया 'फेकोइमल्सिफिकेशन' व लैंस रोपण विधि द्वारा पुणे छावनी सामान्य अस्पताल में की गई। नेत्रशल्यक्रिया एएफएमसी नेत्र विभाग के प्रमुख कर्नल पी.के.साहू, सामुदायिक नेत्र चिकित्सा प्रभारी ले.कर्नल जे. के. एस. परिहार, ले.कर्नल रोड्रिग्ज व ले.कर्नल ए.पी.कामत ने की। शिविर के समापन समारोह में मेजर जनरल बि.वा.तिलक ने मार्गदर्शन किया। उन्होंने नेत्रदान की अपील भी की। शिविर के आयोजन में लायन्स क्लब पुणे दत्तवाडी व पुणे छावनी मंडल का सहयोग प्राप्त हुआ।

Daily Aaj Ka Anand
Pune , 24 April 2001

ESTABLISHED 1838

THE TIMES OF INDIA

VOL. II. NO. 95

500 benefit from AFMC eye camp

■ THE Armed Forces Medical College (AFMC) conducted a free eye camp for the less privileged of the city. As many as 500 patients were examined and treated, 55 of whom required surgery. These patients were operated upon using the latest techniques such as phaco-emulsification and intraocular lens implantation. The surgeries were performed by Colonel P K Sahoo, Lieutenant Colonel J K S Parihar, Lieutenant Colonel A P Kamath and Lieutenant Colonel F E A Rodrigues. Two patients underwent corneal transplantation on the same day.

MAHARASHTRA
HERALD

D/37/2000 LWP Licence No L-101 WEDNESDAY, APRIL 25, 2001 Vol. XXXVIII I

VISION : Maj Gen V W Tilak, Dean & Deputy Commandant AFMC, distributing free medicines to the patients operated by surgeons from AFMC. Also seen is Col P K Sahoo, Head of eye department, AFMC.

Free eye camp by AFMC

The Armed Forces Medical College (AFMC) conducted a free eye camp for the poor and the needy recently. About 500 patients were examined and treated and about 55 patients were operated at the Cantonment General Hospital using the latest techniques such as phacoemulsification and intraocular lens implantation. Two patients underwent corneal transplantation at the camp. The surgeries were done by Col R K Sahoo, Lt Col J K S Parihar, Lt Col A P Kamath and Lt Col F E A Rodrigues. Free medicines were distributed to the patients by the Dean & Deputy Commandant AFMC Maj Gen V W Tilak. He appealed to the residents of Pune to utilise the free and latest facilities available at AFMC and emphasised the need to encourage eye donation. The eye camp was organised with the help of Lions Club of Pune Dattawadi.

नव भारत
महानगर
पुणे, सोमवार ५ मार्च २००१

चिकित्सा शिविर में 600 लोगों का इलाज

संवाददाता द्वारा
पुणे, 4 मार्च.

सशस्त्र चिकित्सा महाविद्यालय के नेत्र विभाग द्वारा लगाये गये नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में लगभग 600 लोगों का नेत्र परीक्षण एवं इलाज किया गया.

उल्लेखनीय है कि सशस्त्र बल चिकित्सा महाविद्यालय (ए.एफ.एम.सी.) के नेत्र विभाग द्वारा प्रतिमाह नेत्र शिविर का अयोजन पुणे के आसपास के क्षेत्रों में किया जाता रहता है. जिसमें लोगों का पूरी तरह से नि:शुल्क इलाज, परीक्षण एवं आपरेशन किया जाता है, यहां के नेत्र विभाग द्वारा दत्तवाड़ी में आयोजित चिकित्सा शिविर में लगभग 600 लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया और उन्हें नि:शुल्क दवाइयां दी गयी. इनमें से लगभग 50 लोगों की शल्य चिकित्सा भी की गयी. इसके पहले 25 फरवरी को भी इस तरह का एक चिकित्सा शिविर एएफएमसी के नेत्र

ए.एफ.एम.सी. में आयोजन

विभाग द्वारा लगाया गया था. इस शिविर का आयोजन कैन्टोमेंट के अस्पताल में किया गया. इसमें सभी आधुनिक तकनीकियों एवं उपकरणों का उपयोग किया गया.

शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर जे.के. सेट्टी ने किया. इसमें एएफएमसी नेत्र विभाग के जिन समर्पित नेत्ररोग विशेषज्ञों ने भाग लिया, उसमें विभाग प्रमुख कर्नल पी.के. शाहू, वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक ले. कर्नल जे.के.एस. परिहार, कर्नल रोड्रिज, मेजर संजय मिश्रा जैसे कई नेत्र विशेषज्ञों ने पूरी लगन के साथ रोगियों का इलाज किया. इसमें सभी प्रकार के नेत्र विकार से पीड़ित लोगों की संख्या थी. उपरोक्त सैन्य चिकित्सा अधिकारियों ने बताया कि शीघ्र ही इस तरह के और नेत्र चिकित्सा शिविरों का नि:शुल्क आयोजन किया जाएगा.

Daily Mahanagar Nav Bharat
Pune ,05 March 2001

नव भारत
महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक पाठक
पुणे, गुरुवार १८ जनवरी २००१

रामगोपाल माहेश्वरी

एएफएमसी में नेत्र शल्यक्रिया शिविर संपन्न

पुणे, 17 जनवरी, सं.
आर्म्ड फोर्सेस मेडीकल कालेज में नि:शुल्क मोतियाबिंद शल्यक्रिया शिविर का आयोजन किया गया, जिसका लाभ 850 नागरिकों ने उठाया.

आधुनिकतम 'फेकोमल्सिफिकेशन' प्रणाली के तहत 50 नागरिकों की नेत्र शल्यक्रियाएं की गई और 800 की नेत्र जांच कराई गई. इस तरह की शल्यक्रिया के लिये आम तौर पर 15 हजार रुपए खर्च आता है. इस नि:शुल्क शिविर में इंट्राक्युलर लेन्स और दवाइयां भी मुफ्त में दी गई. विभाग प्रमुख प्रो. कर्नल पी.के. साहू के नेतृत्व में ले. कर्नल ए.पी. कामथ, ले. कर्नल एफईए रॉड्रिग्ज और ले. कर्नल जे.के.एस. परिहार इन डाक्टरों के दस्ते ने शल्यक्रियाएं और नेत्र जांच की. पुणे छावनी मंडल के मुख्याधिकारी जे.एस. माही और ले. कर्नल विनोद अरोड़ा के सहयोग से यह शिविर संपन्न हुआ.

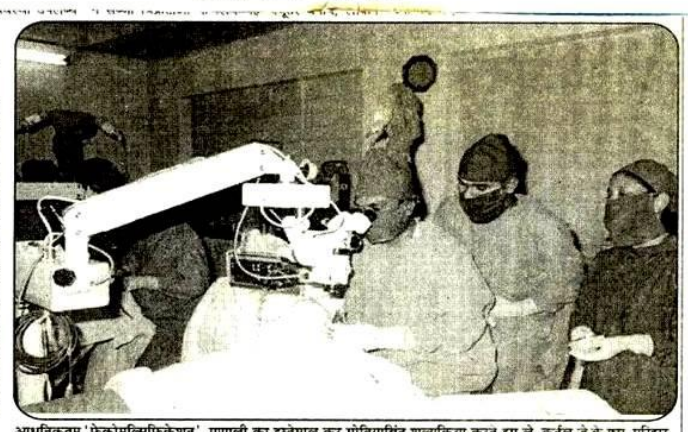

आधुनिकतम 'फेकोमल्सिफिकेशन' प्रणाली का इस्तेमाल कर मोतियाबिंद शल्यक्रिया करते हुए ले. कर्नल जे.के.एस. परिहार.

Daily Nav Bharat
Pune ,18 Jan 2001

पिछले 21 साल से प्रकाशित पुणे का एकमात्र हिन्दी दैनिक
आज का आनंद
RNI NO.-32038/79
Regd. No. PR/RNP/PNW/D/S/2001 आज का आनंद बिल्डिंग, शिवाजीनगर, पुणे-5 (फोन : 5534888 / 5533224)
गुरुवार, 18 जनवरी 2001

यहां ए.एफ.एम.सी. में 50 नेत्र रोगियों पर मुफ्त शल्यक्रियाएं की गईं। चित्र में ले. कर्नल जे.के. एस. परिहार अत्याधुनिक बिना टांके की शल्यक्रिया करते हुए नजर आ रहे हैं।

एएफएमसी में 50 रोगियों की मुफ्त शल्यक्रिया

पुणे, 17 जनवरी (आप्र)
ए.एफ.एम.सी. के नेत्र विभाग द्वारा आयोजित मुक्त नेत्रचिकित्सा शिविर के 800 मरीजों में से शल्यक्रिया हेतु चुने गए 50 नेत्ररोगियों की मुफ्त नेत्र शल्यचिकित्सा की गई।

उक्त शल्यक्रियाएं अत्याधुनिक 'फेकोइम्लसीफिकेशन' तकनीक द्वारा की गई।

कर्नल पी.के. शाहू,प्रो.ले. कर्नल ए.पी.कामत, ले. कर्नल एफ.इ.ए.रॉड्रीग्ज व ले.कर्नल परिहार की टीम ने उक्त शल्यक्रियाएं कीं। इस योजना हेतु पुणे कैन्टोन्मेंट बोर्ड ने भी सहायता की।

Daily Aaj Ka Anand
Pune ,18 Jan 2001

नव भारत महानगर

पुणे, गुरुवार १८ जनवरी २००१

एएफएमसी में नेत्र शल्यक्रिया शिविर संपन्न

पुणे, 17 जनवरी, सं.
आर्म्ड फोर्सेस मेडीकल कालेज में नि:शुल्क मोतियाबिंद शल्यक्रिया शिविर का आयोजन किया गया, जिसका लाभ 850 नागरिकों ने उठाया.

आधुनिकतम 'फेकोमल्सिफिकेशन' प्रणाली के तहत 50 नागरिकों की नेत्र शल्यक्रियाएं की गईं और 800 की नेत्र जांच कराई गई. इस तरह की शल्यक्रिया के लिये आम तौर पर 15 हजार रुपए खर्च आता है. इस नि:शुल्क शिविर में इंट्राक्युलर लेन्स और दवाइयां भी मुफ्त में दी गईं. विभाग प्रमुख प्रो. कर्नल पी.के. साहू के नेतृत्व में ले. कर्नल ए.पी. कामथ, ले. कर्नल एफईए रॉड्रिग्ज और ले. कर्नल जे.के.एस. परिहार इन डाक्टरों के दस्ते ने शल्यक्रियाएं और नेत्र जांच की. पुणे छावनी मंडल के मुख्याधिकारी जे.एस. माही और ले. कर्नल विनोद अरोड़ा के सहयोग से यह शिविर संपन्न हुआ.

आधुनिकतम 'फेकोमल्सिफिकेशन' प्रणाली का इस्तेमाल कर मोतियाबिंद शल्यक्रिया करते हुए ले. कर्नल जे.के.एस. परिहार.

Daily Mahanagar Nav Bharat
Pune ,18 Jan 2001

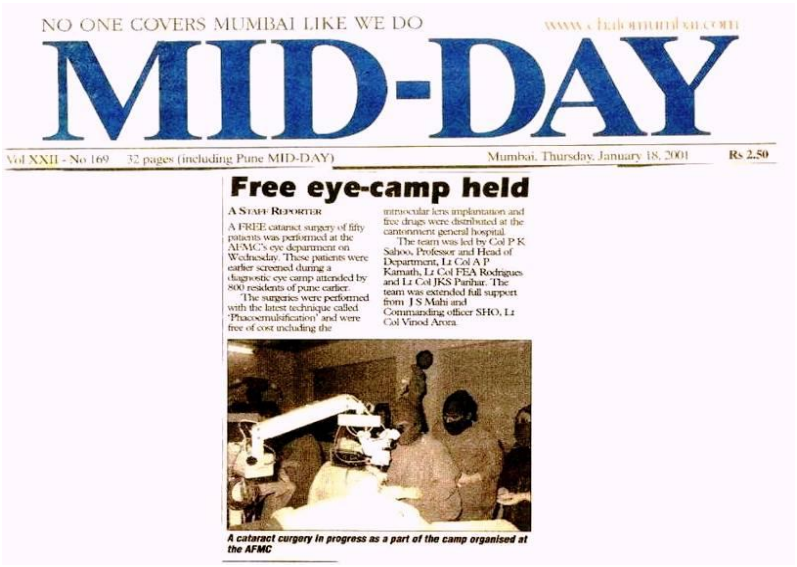

NO ONE COVERS MUMBAI LIKE WE DO

MID-DAY

Vol XXII - No 169 32 pages (including Pune MID-DAY) Mumbai, Thursday, January 18, 2001 Rs 2.50

Free eye-camp held

A STAFF REPORTER

A FREE cataract surgery of fifty patients was performed at the AFMC's eye department on Wednesday. These patients were earlier screened during a diagnostic eye camp attended by 800 residents of pune earlier.

The surgeries were performed with the latest technique called 'Phacoemulsification' and were free of cost including the intraocular lens implantation and free drugs were distributed at the cantonment general hospital.

The team was led by Col P K Sahoo, Professor and Head of Department, Lt Col A P Kamath, Lt Col FEA Rodrigues and Lt Col JKS Parihar. The team was extended full support from J S Mahi and Commanding officer SHO, Lt Col Vinod Arora.

A cataract curgery in progress as a part of the camp organised at the AFMC

Pune Times
OF INDIA

THE TIMES OF INDIA
Vol. I, Issue No. 308
DECEMBER 22, 2000

AFMC conducts free eye check-up

THE ophthalmology department of the Armed Forces Medical College (AFMC) here conducted a free eye check-up camp in association with the Lions Club of Dattawadi for the residents of Uttamnagar, near here, recently.

Approximately 800 people were screened, 50 of whom were found to have cataract. They will be operated upon free of cost. The eye department of the AFMC has taken initiative in conducting such camps for the residents of Pune. Such camps are held every month, wherein people from different strata of society benefit, including free treatment, surgery and intraocular lens implantation.

The ophthalmologists' team was led by Colonel P K Sahoo, Lieutenant Colonel A P Kamath, Lieutenant Colonel F E A Rodrigues and Lieutenant Colonel J K S Parihar.

AFMC ophthalmologists busy conducting eye check-up

5.Appreciation of Modern Cataract surgery :

दैनिक विश्वमित्र
हिन्दी का प्राचीनतम राष्ट्रीय दैनिक
INDIA'S OLDEST NATIONAL HINDI DAILY VISHWAMITRA
कोलकाता, श्रावण कृष्ण ३, सम्वत् २०६१, बुधवार, ४ अगस्त, डाक ५ अगस्त, २००४, मूल्य २ रुपए (हवाई डाक से ? रुपए १० पै

कमाण्ड अस्पताल सर्वश्रेष्ठ अस्पताल के रूप में सम्मानित

कोलकाता, ३ अगस्त (नि.प्र)। ईस्टर्न कमांड, कोलकाता के कमांड अस्पताल को वर्ष २००२ के सर्वश्रेष्ठ अस्पताल के लिए 'रक्षा मंत्री रनिंग ट्राफी' से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली में यह ट्राफी प्रदान करते हुए रक्षा मंत्री श्री प्रणव मुखर्जी ने युद्ध व शांति दोनों ही समयों में आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल सर्विसेज (एएफएमएस) की भूमिका की सराहना की। प्राकृतिक आपदाओं जैसे गुजरात भूकम्प के दौरान एएफएमएस द्वारा दी जाने वाली सेवाओं की भी उन्होंने काफी प्रशंसा की। कमाण्ड अस्पताल कोलकाता को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता से स्वास्थ्य सेवाओं में काफी सुधार होगा। कमाण्ड अस्पताल के कमांडेंट मेजर जनरल एस. मुखर्जी ने ट्राफी ग्रहण की। अस्पताल को २ लाख रुपये का चेक भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर डिफेंस सेक्रेटरी श्री अजय विक्रम सिंह, चीफ आफ आर्मी स्टाफ जनरल एन.सी. विज तथा चीफ आफ एयर स्टाफ, एयर चीफ मार्शल एस. कृष्णास्वामी भी उपस्थित थे।

आई सर्जरी की नई तकनीक

कमांड अस्पताल कोलकाता के आप्थेलमिक सर्जनों ने आई सर्जरी की एक नई पद्धति का प्रयोग किया है। इस आपरेशन के दो-तीन दिनों बाद ही व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है। फैकोनिट कैटरैक्ट सर्जरी के नाम से जानी जाने वाली यह पद्धति पारंपरिक फैकोइमल्सिफिकेशन कैटरैक्ट सर्जरी का एक उन्नत प्रकार है तथा अब तक ३० मरीजों की इसी पद्धति से मोतियाबिंद का इलाज किया जा चुका है तथा इसके काफी अच्छे नतीजे प्राप्त हुए हैं। विश्व में बहुत कम सर्जनों द्वारा तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है तथा यह अस्पताल पहला रक्षा अस्पताल है, जहां नियमित रूप से इस पद्धति से इलाज किया जा रहा है। कार्नियल ओपासिटी से नेत्रहीन हुए मरीजों का भी यहां कार्निया ट्रांसप्लांट के द्वारा इलाज किया जाता है। पिछले एक साल में दान किये गये नेत्रों से चालीस ऐसे मरीजों का इलाज किया जा चुका है।

जनसत्ता
महानगर कोलकाता, बुधवार ४ अगस्त २००४ ८ पेज रु. [illegible].०० कोलकाता, दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पूर्वी कमान अस्पताल में नेत्र की विशेष चिकित्सा

कोलकाता, ३ अगस्त (जस)। पूर्वी कमान अस्पताल, कोलकाता में अत्याधुनिक विधि से आंखों का इलाज कर आंख के मरीजों को सामान्य दृष्टि की क्षमता [illegible] जा रही है। यह विधि परंपरागत है और इसे फैकोइमल्सिफिकेशन कैटरैक्ट सर्जरी के नाम से जाना जाता है पर कमान अस्पताल के आंख रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों ने इसे और उन्नत कर केवल तीन दिन के अंदर मरीजों को पहले जैसा सामान्य रूप से देखने की क्षमता प्रदान कर रहे हैं। विश्व के किसी भी सैन्य अस्पताल में यह विधि अभी तक अपनाई नहीं गई। पूर्वी कमान अस्पताल के अलावा विश्व के बहुत ही कम चिकित्सकों को इस विशेष चिकित्सा की जानकारी है।

روزنامہ اخبارِ مشرق کلکتہ
Tuesday
5th October 2004
Price : Rs.2.50
منگل ۵ر اکتوبر ۲۰۰۴ء
۱۹ر شعبان المعظم ۱۴۲۵ھ
قیمت: ۲٫۵۰ روپے
شمارہ نمبر ۲۷۰ THE DAILY AKHBAR-E-MASHRIQ CALCUTTA جلد ۲۵
RNI REGISTRATION NO:37217/80
REGD.NO. SSRM/KOL/RMS/WB/RNP-213/2004-06
Published simultaneously from Calcutta and Delhi
کلکتہ اور دہلی سے بیک وقت شائع ہونے والا واحد اردو روزنامہ

آنکھوں کی جدید ترین سرجری

کلکتہ کے کمانڈ اسپتال کے آنکھوں کے شعبے کے سرجنوں نے آنکھوں کا ایک منفرد آپریشن کیا ہے، جس کے تحت مریض دو سے تین دنوں کے اندر عام طرز کی زندگی بسر کرنے کے لائق ہو جاتا ہے۔ اس طرز کے آپریشن کا نام فیکونٹ کیٹریکٹ سرجری ہے۔ یہ موتیا بند کے روایتی آپریشن کے مقابلے میں ترقی یافتہ نوعیت کا آپریشن ہے اور اب تک اس طریقے سے تیس مریضوں کا آپریشن کیا جا چکا ہے، جس کے بہترین نتائج سامنے آئے ہیں۔

روایتی موتیا بند آپریشن کے تحت انسانی آنکھوں میں پایا جانے والا ناقص لینس ۲٫۳ ملی میٹر کے آپریشن کے ذریعہ نکالا جاتا ہے اور اس کی جگہ آنکھوں کے اندر مخصوص قسم کا موڑنے کے لائق لینس فٹ کیا جاتا ہے۔ کمانڈ اسپتال کے شعبہ امراض چشم کے سرجنوں نے اس آپریشن کے سلسلے میں ایک قدم آگے بڑھ کر صرف ایک ملی میٹر کا مائیکرو نشتر لگا کر موتیا بند نکالا ہے۔ اس کے لئے آنکھوں میں سوئی سے مشابہ الٹرا ساؤنڈ اوزار داخل کیا ہے۔ مریض بغیر کسی پرہیز کے دو تین دن میں عام زندگی گزارنے کے لائق ہو جاتا ہے۔

واضح رہے کہ اس تکنیک کا استعمال دنیا بھر میں صرف چند سرجن ہی کرتے ہیں اور یہ اسپتال وہ پہلا دفاعی اسپتال ہے جہاں یہ آپریشن باقاعدگی سے سلسلے وار ہو رہا ہے۔ ان میں چند مریضوں کو معروف ماہرین امراض چشم کے روبرو پیش کیا گیا اور مغربی بنگال کی امراض چشم سوسائٹی نے کمانڈ اسپتال میں کلینکل میٹنگ کا بھی اہتمام کیا۔ کورنیا کی خرابی کی وجہ سے نابینا پن کے شکار ہونے والے افراد کا علاج بھی جہاں کامیابی سے کیا جاتا ہے اور کورنیا تبدیل کیا جاتا ہے۔ گزشتہ ایک برس کے دوران ایسے ۴۰ مریضوں کا علاج ہوا ہے جنہیں متوفیوں نے اپنے کورنیا عطیہ میں دیئے تھے۔

Registration No. : RNI 16663/68
Tawrh Bawm lak man Thla khatah Rs. 60/-
VOL. - XXXX Issue - 201
Nitin | Thlirtu

Tawrh Bawm

Estd. 1968 Thawhlehni, September 02, 2008

Mizoram Larsap-in e-Magazines hawng

South Asia Voice chuan internet atanga chhiar theih turin e-Magazines an buatsaih a, hei hi Mizoram Larsap M.M. Lakhera chuan Aug. ni 23, 2008 khan New Delhi-ah a hawng. Larsap chuan he magazine hmang hian Asia chhimlam ramte chu khawvelin chiangkuang lehzualin a hmelhriat thei dawn a, chuvangin kan zavaia kan chanchin pholanna hmanraw tangkai a nih ka ring tlat a ni, a ti. Mizoram Larsap hian Aug. ni 24 khan New Delhi-ah hnam inpumkhatna atana Rajiv Gandhi thawhhlawk zia sawihona hun a hmanpui bawk a. He inkhawm pawimawh takah hian Blue Mount School, Aizawl Headmistress Liansangluri chu hnam inpumkhatna atana a thawh hlawk avangin chawimawina hlan a ni. He programme hi National Integration & Economic Council buatsaih a ni a, India rama mi pawimawh tam tak an tel a ni. Larsap hi Delhi a cham chhungin a mit naute (calaract) chu Army Hospital (Research & Referral) hmunah a zaitir nghal a. Col. J.K.S. Parihar, SM, VSM, Senior Adviser Ophthalmology & Anterior Segment Micro Surgery (Professor & HOD) in a zai a ni

The Mizoram Post

Window to Mizoram

AIZAWL WEDNESDAY 03 SEPTEMBER 2008 VOL 6 ISSUE 86 Rs 3.00

GUV inaugurates E-magazine

AIZAWL, Sept 02 : Official sources today said the Mizoram Governor Lt.Gen (Rtd) MM.Lakhera inaugurated the South Asia voice E-Magazine on August 23 last at New Delhi. The Governor during his tour to New Delhi also got his cataract operated at Army Hospital (Research & Referral) by Col.J.K.S.Parihar , SM , VSM, Senior Adviser opthamology & Anterior Micro Surgery (Professor & Head of Deptt).

Evening Post

Office G-7, Chanmari; Opp. to Hrangbana College

Life is beautiful

Ph. : 2306517

e-mail : eve_post@rediffmail.com

VOL. III NO. 205 AIZAWL, THAWHLEHNI SEPTEMBER 2, 2008 A man: thla khatah Rs. 80

Larsap-in E-Magazine hawng

South Asia Voice chuan internet atanga chhiar theih turin e-Magazines an buatsaih chu Mizoram Larsap M.M. Lakhera chuan August 23, 2008 khan New Delhi-ah a hawng.

Larsap chuan he magazine hmang hian Asia chhimlam ramte hi khawvelin chiangkuang lehzualin min hmelhriat thei dawn a, chuvangin kan zavaia kan chanchin pholanna hmanraw tangkai a nih ka ring tlat a ni, a ti.

Mizoram Larsap chuan August ni 24 khan New Delhi-ah hnam inpumkhatna atana Rajiv Gandhi thawhhlawkzia sawihona hun a hmanpui bawk a. He inkhawm pawimawh takah hian Blue Mount School, Aizawl Headmistress Liansangluri chu hnam inpumkhatna atana a thawh hlawk avangin chawimawina hlan a ni. He programme hi National Integration & Economic Council buatsaih a ni a, India rama mi pawimawh tam tak an tel a ni.

Larsap hi Delhi a cham chhungin a mit naute (cataract) chu Army Hospital (Research & Referral) hmunah a zaitir nghal a. Col. J.K.S. Parihar, SM, VSM, Senior Adviser Ophthalmology & Anterior Segment Micro Surgery (Professor & HOD) in a zai sak a ni.

Ocular trauma update & live surgery workshop, AFMC Pune 2001

THE INDIAN EXPRESS

LUCKNOW 21 SEP 2001

Update on ocular trauma

The eye department of AFMC and Command Hospital, Southern Command, Pune, will hold a national level update on Ocular trauma 2001. The 3-day update will feature Eye Specialists of National and International levels from across the country, including the prestigious AIIMS and President Elect of All India Ophthalmological Society.

THE PIONEER

LUCKNOW 20 SEP 2001

Update on ocular trauma from today

STAFF REPORTER
LUCKNOW

THE EYE department of AFMC and Command Hospital, Southern Command, Pune, will hold a national level update on ocular trauma 2001 from September 20 to 22.

The three-day update will feature eye specialists of national and international eminence from across the country including the prestigious AIIMS and president elect of All India Opthalmological Society. About 200 eye specialists from all over the country and senior medical officials of all three wings of Armed Forces will attend the conference. The conference will stress on all aspects and recent advances in ocular trauma which forms the single largest cause of preventable blindness. Dr Labhshetwar, Dean of BJP Medical College will inaugurate the conference. Col PK Sahoo, Professor and Head of Eye Department AFMC, said that the conference would not only benefit eye specialists of the armed forces but also the civilian specialists who have to manage a large number of highly complicated cases of ocular trauma. This update gains special importance in the present scenario of accidents and natural calamities. The conference will also feature live surgical sessions on corneal transplantation and cataract surgery by the latest technique of phacoemulsification performed by reputed surgeons from Mumbai, Indore and Pune.

Pre Update Press release on 20/21 Sep 2001
The Indian Express & Pioneer ,Lucknow

स्वतन्त्र चेतना

लखनऊ 20 सितम्बर 2001

सशस्त्र सेना चिकित्सा विद्यालय नेत्र रोगों पर एक कार्यशाला आयोजित करेगा

चेतना समाचार सेवा

लखनऊ, १९ सितम्बर। सशस्त्र सेना चिकित्सा विद्यालय का नेत्र विभाग और दक्षिणी कमान अस्पताल पुणे मिलकर २० से २२ सितम्बर तक नेत्र विज्ञान तथा ऑकुलर ट्रॉमा पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहे है।

इस सम्मेलन में ऑकुलर टॉमा के क्षेत्र में किये जा रहे अनुसंधानों और उनके प्रभावों पर विचार–विमर्श किया जायेगा। ज्ञातव्य है कि ऑकुलर ट्रामा अंधेपन के लिए सर्वाधिक जिम्मेदार है।

सशस्त्र सेना चिकित्सा विद्यालय ए.एफ.एम.सी. के नेत्र विभाग के प्रोफेसर एवं हेड ऑफ द डिपार्टमेंट कर्नल पी.के.साहू जो कि संयोजक समिति के अध्यक्ष भी है ने बताया कि यह सम्मेलन सेना चिकित्सा कोर के नेत्र विशेषज्ञों को ही केवल लाभान्वित नही करेगा अपितु ऑकुलर टामा के क्षेत्र में कार्य करने वाले सिविलियन डाक्टरों को भी उपयोगी जानकारी उपलब्ध करायेगा। इस कार्यशाला में कैटरैक्ट सर्जरी और कार्निया प्रत्यारोपण पर नवीनतम तकनीको के माध्यम से सीधे आप्रेशन का भी प्रसारण किया जायेगा। तीन दिन तक चलनेवाले इस सम्मेलन मे देश भर के जाने माने नेत्र विशेषज्ञ शामिल होंगे।

दैनिक जागरण

लखनऊ 20 सितम्बर 2001

नेत्र रोगों पर कार्यशाला आज से

लखनऊ, बुधवार (जाका)। सशस्त्र सेना चिकित्सा विद्यालय का नेत्र विभाग और दक्षिणी कमान अस्पताल पुणे मिलकर आगामी 20 से 22 सितम्बर तक नेत्र विज्ञान तथा ऑकुलर ट्रामा पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहे हैं। इस सम्मेलन में ऑकुलर ट्रामा के क्षेत्र में किये जा रहे अनुसंधानों और उनके प्रभावों पर विचार-विमर्श किया जायेगा। ऑकुलर ट्रामा अंधेपन के लिए ही सर्वाधिक जिम्मेदार है। इस कार्यशाला में कैटरैक्ट सर्जरी और कार्निया प्रत्यारोपण पर नवीनतम तकनीकों के माध्यम से सीधे आपरेशन का भी प्रसारण किया जायेगा। इस सम्मेलन में देश भर के जाने-माने नेत्र विशेषज्ञ शामिल होंगे। इसमें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, मुम्बई, इंदौर, पुणे सहित देश के विभिन्न भागों के प्रतिष्ठित अस्पतालों के चिकित्सक भाग लेंगे।

Pre Update Press release on 20 Sep 2001
Swatantra Chetna & Daily Jagran ,Lucknow

To respond to evil by committing another evil would not eliminate evil but allows it to go on forever.
— Vaclav Havel

e-mail all your friends in **ankara** to access the times of india on http://www.timesofindia.com

ESTABLISHED 1838

THE TIMES OF INDIA

Pune, Monday, September 24, 2001 Bennett, Coleman & Co., Ltd. 30 pages including Pune Times & Ascent * Invitation Price Re. 1

Live ocular surgery

The Opthalmology Department of the Armed Forces Medical College recently hosted the National Update on Ocular Trauma. Over a period of three days, ophthalmologists from the armed forces, of national and international standing, took part in panel discussions and exchanged views on the ever-changing technology available for this particular field. The update culminated in a live kerto-plasty operation watched on a close circuit TV, by participating doctors, patients and the press. The operation was held at the operation theatre of the Artificial Limb Centre and Lt Col J K S Parihar (organising secretary and officer-in-charge of the Eye Bank) explained that this was the first time that such an operation was held before a live audience.

Ocular Trauma is an important cause of ocular morbidity and even blindness. In fact, it is the most common cause of preventable blindness. One expert called it "the disease of today."

With increase in low intensity warfare, industrial and road accidents, the incident of Ocular Trauma has steadily risen. The armed forces face a higher threat of injury, but earthquake injuries and recent terrorist attacks have shown that civilians are equally vulnerable to OT. A significant advance in technology has made the management of this somewhat easier, especially in surgical techniques and in equipment.

The panel discussions brought forth lively deliberations on various aspects of OT. Col P K Sahoo (HOD at the Dept of Ophthalmology) chaired the first discussion on 'Most Recent Advancements in Ophthalmology'.

AFMC with its latest technology caters to both services and civilian demands. Another feather in their hat is the Cat-A-Eye Bank, which is the most active centre in the country for kerato-plasty commonly known as the cataract. The Bank has gained its rating due to superior facilities, networking, excellent staff and the number of surgeries performed. For one of the live surgeries performed by Lt Col Parihar, the Bank procured an eye from a voluntary donor and a corneal transplant was performed on a patient.

The Live surgery workshop was inaugurated by Lt Gen Tutakane (Commandant AFMC) who has been very active in promoting technological upgradation within the medical services of the armed services. The first surgery was performed by Dr Rajiv Chaudhri of the Chaudhri Eye Institute, Indore. Using the phacoemulsification techniques and only topical anesthesia, he was able to implant a foldable acrylic lens after melting the cataract with ultrasound. Dr Shashi Kapoor, a leading opthalmologist from Mumbai, operated next, while the corneal transplant performed by Col Parihar, ended the live workshop.

Experts at the conference were of the unanimous opnion that the next generation of surgeries would be performed with lasers to meet the visual needs of the patients.

— **Nisha Ghosh**

THE HINDUSTAN TIMES

LUCKNOW 21 OCT 2001

Three-day update on ocular trauma at Command Hospital

HT Live Correspondent

THE EYE department of the Armed Forces Medical College (AFMC) and command hospital, Southern Command at Pune organised a three-day notional update on 'ocular trauma' for the year 2001.

The conference was held keeping in mind the growing menace of ocular trauma due to rapid industrialization, low intensity warfare and terrorist attack like the one that took place in US on September 11.

Lt-Gen MA Tutakne, commandant of AFMC, while inaugurating the conference said that ocular trauma had affected not only the armed forces but also the civilian population. He lauded the role of the Organising Committee for holding a conference of such magnitude.

Col PK Sahoo, professor and head of eye department who was also the chairman organising committee pointed out that ocular trauma was the single largest cause of preventable blindness in younger age groups and could be aptly called as 'the disease of the day'. The eye specialists from the Armed forces shared experiences including the latest modality of management with their civil counterparts.

The highlight of the live surgery workshop held during the conference was that it was the first in Indian Cataract Surgery performed with latest technique of Phacoemulisification with lens implantation particularly in trauma has been performed live. The eminent surgeons who performed included Dr R Chaudhary from Indore, Dr Shashi Kapoor from Mumbai and Lt Col. JKS Parihar from the armed forces.

स्वतन्त्र चेतना
लखनऊ 21 अक्टूबर 2001

ले. जनरल एम.ए. टुटकने आकुलर ट्रामा के शल्य चिकित्सा [illegible] प्रदर्शन की कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए।

सशस्त्र सेना चिकित्सा विद्यालय में नेत्र रोगों पर कार्यशाला आयोजित की गई

लखनऊ, २० अक्टूबर। सशस्त्र सेना चिकित्सा विद्यालय के नेत्र विभाग और दक्षिणी कमान अस्पताल पुणे ने संयुक्त रूप से मिलकर हाल ही में नेत्र विज्ञान तथा ऑकुलर ट्रामा पर पुणे में तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

इस सम्मेलन में ऑकुलर ट्रामा के क्षेत्र में किये जा रहे अनुसंधानों और उनके प्रभावों पर विचार–विमर्श किया गया। इस तीन दिवसीय सम्मेलन में बड़ी संख्या में तीनों सेनाओं एवम् नागरिक क्षेत्र के प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के प्रतिष्ठित नेत्र रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया। सशस्त्र सेना चिकित्सा विद्यालय के सेनानायक ले. जनरल एम.ए. टुटकने ने कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए कहा कि आकुलर ट्रामा ने न सिर्फ सेना के लोगों बल्कि नागरिक क्षेत्र की आबादी को भी बुरी तरह से प्रभावित किया है। इस महत्वपूर्ण कार्यशाला को आयोजित करने में उन्होंने आयोजक समिति की भूमिका के विषय में भी बताया। कर्नल पी.के. साहू जो कि नेत्र विभाग के प्रोफेसर और हेड भी हैं तथा आयोजक समिति के अध्यक्ष भी हैं ने बताया कि आकुलर ट्रामा अंधेपन के लिए सर्वाधिक जिम्मेदार है। इस कार्यशाला में सशस्त्र सेनाओं के नेत्र रोग विशेषज्ञों और नागरिक क्षेत्र के नेत्र रोग विशेषज्ञों ने अपने अनुभव आपस में बांटे। इस कार्यशाला में भारत में पहली बार आधुनिकतम तकनीक के माध्यम से कैटरैक्ट सर्जरी और कार्निया प्रत्यारोपण की शल्य चिकित्सा का सजीव प्रसारण भी किया।

शल्य चिकित्सा में इंदौर के डाक्टर आर चौधरी, मुम्बई के डाक्टर शशि कपूर और सशस्त्र सेना के ले. कर्नल जे.के.एस परिहार जैसे प्रतिष्ठित चिकित्सकों ने

Swatantra Chetna, Lucknow
Press release on 21 Oct 2001

Ocular Trauma Update & Live Demonstration of Phacoemulsification Cataract Surgery & Corneal Transplantation Surgery at AFMC Pune 20 -22 Sep 2001

The Indian EXPRESS
BECAUSE THE TRUTH INVOLVES US ALL
PUNE ■ MONDAY ■ SEPTEMBER 24, 2001

An eye on trauma

The eye department at AFMC and Command Hospital (Southern Command) held a three day workshop on ocular trauma which concluded on September 22. The meet featured various eye specialists including those from the three wings of the armed forces. Ocular trauma is the single largest cause of preventable blindness.

आज का आनंद, पुणे ● रविवार , 23 सितम्बर 2001

आधुनिक पद्धति से हुआ मोतियाबिंद आपरेशन

पुणे, 22 सितंबर (आप्र)- मोतियाबिंद पर आधारित राष्ट्रीय सम्मेलन में आज एक लाइव सर्जरी कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें मोतियाबिंद का आपरेशन आधुनिक पद्धति से करके दिखाया गया। इस कार्यशाला का आयोजन ए.एफ.एम.सी. के नेत्रविभाग द्वारा कृत्रिम अंग केंद्र में किया गया। इसका उद्घाटन ए.एफ.एम.सी. के कमांडेंट ले.ज. एम. ए. टुटाकने ने किया। मोतियाबिंद का यह ऑपरेशन अत्याधुनिक फेकोम्युसीफिकैशन पद्धति से किया गया। ऑपरेशन में देश के ख्याति प्राप्त नेत्र रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिसमें दर्जनों लोगों की फेको पद्धति द्वारा मोतियाबिंद का सफल ऑपरेशन किया गया, साथ में कॉर्नियल का प्रत्यारोपण भी करते हुए लोगों को दिखाया गया।

Awards/Medals: National Awards by the President of India

(i).Sena Medal (Distinguished) 2003 by The President of India
(ii).Bar to Vishisht Seva Medal 2014 by The President of India
(iii).Vishisht Seva Medal 2007 by The President of India

The Indian EXPRESS

PUNENewsline

The Indian EXPRESS
PUNENewsline ■ TUESDAY ■ JANUARY 28, 2003

Medal for Lt Col Parihar

■ LT Col JKS Parihar, an eye specialist in the armed forces who was posted out from AFMC to Command Hospital, Kolkata was awarded the Sena medal by the President on the Republic Day. His work on limbal stem cell transplantion for management of severe dry eye cases has been highly acclaimed and he has contributed significantly towards the eye donation campaign and corneal transplantation services.

Ophthalmologist honoured: Ophthalmologist Lt. Col. J.K.S. Parihar, who was with the Armed Forces Medical College (AFMC), Pune, till recently, was conferred with the Sena medal by President A.P.J. Abdul Kalam on Republic Day. An astute eye-specialist, Parihar is particularly known for his work on limb stem cell transplantation for management of dry eyes. He has also contributed significantly toward the eye donation campaign and corneal transplantation services during his stint with the AFMC. Parihar has been now posted in Kolkata.

लोकसत्ता
पुणे: शुक्रवार, ३१ जानेवारी २००३

लेफ्टनंट कर्नल परिहार यांना सेनापदक प्रदान

पुणे, ३० जानेवारी (लो. प्र.) - येथील लष्करी वैद्यकीय महाविद्यालयाच्या (एएफएमसी) सेवेत असताना लेफ्टनंट कर्नल जे. के. एस. परिहार यांना अनन्यसाधारण सेवेसाठी जाहीर झालेले सेनापदक प्रजासत्ताकदिनी नवी दिल्लीत झालेल्या कार्यक्रमात देण्यात आले. लेफ्टनंट कर्नल परिहार नुकतेच कोलकता येथील लष्करी रुग्णालयात नियुक्तीवर गेले आहेत.

पुण्यातील कार्यकाळात नेत्रपेढी, नेत्रदान व नेत्ररोपण शस्त्रक्रियेच्या क्षेत्रात परिहार यांनी बजावलेल्या कामगिरीबद्दल त्यांना हे पदक जाहीर करण्यात आले होते. ■

FREE PRESS

FREE PRESS
✦ THURSDAY ✦ 30 JANUARY, 2003

Lt Col Parihar awarded Sena Medal

OUR STAFF REPORTER
INDORE

The President of India, APJ Abdul Kalam on the occasion of the 54th Republic Day awarded the prestigious Sena Medal to Lieutenant Colonel JKS Parihar for distinguished services which he rendered during his tenure at Armed Forces Medical College (AFMC) at Pune.

Lt Col JKS Parihar, who has recently been posted to Command Hospital (EC) at Kolkata rendered outstanding contribution towards qualitative and quantitative uplift of eye banking, eye donation campaign and corneal transplantation services at AFMC, Pune. His work on limbal stem cell transplantation for the management of severe dry eye cases was widely acclaimed by various authorities.

नव भारत
इन्दौर बुधवार 29 जनवरी, 2003

■ ले. कर्नल परिहार को सेना पदक

सशस्त्र सेना चिकित्सा महा. पूना के ले. कर्नल जे.के.एस. परिहार को सेना पदक से सम्मानित किया गया. यह सम्मान उन्हें उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवाओं के लिए दिया गया. 54वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिल्ली में आयोजित समारोह के दौरान राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने श्री परिहार को पदक देकर सम्मानित किया. श्री परिहार ने महात्मा गांधी चिकित्सा महा. इंदौर से एम.बी.बी.एस. की उपाधि प्राप्त की है तथा उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि इंदौर से जुड़ी है.

नईदुनिया
४ 3 फरवरी २००३

ले.क. परिहार को सेना पदक

इंदौर २ फरवरी। लेफ्टिनेंट कर्नल जे.के.एस. परिहार को सेना में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रतिष्ठित सेना पदक प्रदान किया गया है। गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति ने उन्हें यह पदक देकर सम्मानित किया। पशु चिकित्सक डॉ. केशवसिंह परिहार के पुत्र ले.क. परिहार का जन्म ग्वालियर में हुआ। उनकी प्रारंभिक शिक्षा गौतमपुरा (इंदौर) में हुई।

दैनिक भास्कर
इंदौर, बुधवार, 29 जनवरी 2003

लेफ्टिनेंट कर्नल परिहार को सेना मेडल

इंदौर, 28 जनवरी। गणतंत्र दिवस परेड में राष्ट्रपति डा. कलाम ने लेफ्टिनेंट कर्नल जे.के.एस. परिहार को पुणे के सशस्त्र सेना चिकित्सा महाविद्यालय में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सेना मेडल से सम्मानित किया। लेफ्टिनेंट कर्नल परिहार सेना में नेत्र चिकित्सक के पद पर कार्यरत हैं। ग्वालियर में जन्मे कर्नल परिहार ने गौतमपुरा में स्कूली शिक्षा हासिल करने के बाद इंदौर के महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय से एमबीबीएस और नेत्र चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा हासिल किया है।

Medical Education

पिछले 23 साल से प्रकाशित पुणे का एकमात्र हिन्दी दैनिक

आज का आनंद

RNI NO.-32038/79
Regd. No.
PR/RNP/PNW/D/5-2002

आज का आनंद बिल्डिंग, शिवाजीनगर, पुणे-5 (फोन : 5534888 / 5533224)

आज का आनंद पुणे का No.1 हिन्दी दैनिक

मंगलवार, 6 अगस्त 2002

हाल ही में ए.एफ.एम.सी. में मोतियाबिंद से संबंधित चर्चासत्र में शामिल होनेवाली एक छात्रा को स्मृतिचिन्ह प्रदान करते हुए एअर मार्शल ए.के.धाम।

ए.एफ.एम.सी. द्वारा 'मोतिया बिंद' पर महत्वपूर्ण चर्चा सत्र संपन्न

पुणे, 5 अगस्त (आ.प्र.) आर्मड फोर्सेस मेडिकल कालेज (ए. एफ.एम.सी.) के नेत्र विभाग की ओर से हाल ही में मोतियाबिंद से संबंधित चर्चासत्र का आयोजन किया गया। एयर मार्शल एस.के. धाम के हाथों उद्घाटित इस चर्चासत्र में फैकल्टी सदस्य और एएफएमसी सदस्यों सहित लगभग तीन सौ लोगों ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए, प्रतिबंधयोग्य और उपचारयोग्य रोगों के मूल के तौर पर मोतियाबिंद के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इसके जल्दी इलाज पर भी जोर दिया। इस अवसर पर उनके हाथों चर्चा-सत्र में शामिल लोगों को स्मृतिचिन्ह और प्रमाणपत्र वितरित किए गए। विभागप्रमुख कर्नल आर.पी.गुप्ता, लेफ्टि. कर्नल ए.पी. कामत.और लेफ्टि. कर्नल एफ.ई.ए. रोड्रिग्ज ने तथा लेफ्ट कर्नल जे.के.एस. परिहार के नेतृत्व में चर्चासत्र आयोजित किया गया था। इसमें खासकर आपरेशन के बाद की देखभाल और मोतियाबिंद सर्जरी के भविष्य की चर्चा की गई। छात्रों के सहयोग से संपन्न इस चर्चासत्र में दृकश्राव्य साधनों का भी उपयोग किया गया।

MAHARASHTRA HERALD

ESTABLISHED IN 1963

Symposium on cataract at AFMC

A symposium on Cataract was organised by the Department of Ophthalmology, Armed Forces Medical College (AFMC) at the Bhardwaja Auditorium recently. The symposium was inaugurated by Air Marshal S K Sham, Commandant, AFMC. It was attended by around 300 persons, faculty members, staff and students of AFMC. It was organised under the supervision and guidance of eye department led by Col RP Gupta, Professor and Head, Lt Col AP Kamath, Lt Col FEA Rodrigues and Lt Col JKS Parihar. The seminar covered various aspects of cataract like history of cataract surgery, its evolution, the disease process, modern treatment modalities and latest advances. Special emphasis was given on general information on post operative care and future of cataract surgery. Air Marshal Dharm stressed on the importance of cataract as a cause of preventable and treatable blindness. He also emphasised its early diagnosis and management. The Commandant later presented souvenirs and certificates to the participants of the symposium

Air Marshal S K Sham, Commandant, AFMC seen presenting souvenir to the participant of the symposium on Cataract organised by the Department of Ophthalmology, AFMC.

The Indian EXPRESS
BECAUSE THE TRUTH INVOLVES US ALL

The Indian EXPRESS
PUNE Newsline ■ TUESDAY ■ AUGUST 6, 2002

Symposium on cataract held

■ A SYMPOSIUM on cataract was organised by the Department of Ophthalmology, Armed Forces Medical College (AFMC). Air Marshal S K Dham, Commandant AFMC stressed on the importance of cataract as a cause of treatable blindness. The seminar covered various aspects of cataract surgery and was organised by Col R P Gupta, head of the eye department and Lt Col A P Kamath, Lt Col F Rodrigues and Lt Col J K S Parihar.

****